डाक पंजीयन संख्या : GPOLW/NP-110/2015-17 R.N.I. No. UPHIN/2013/54341

द स्वाई ऑफ इण्डिया

लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, सुलतानपुर, कन्नौज, कानपुर, प्रयागराज, रायबरेली, जालौन, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर से एक साथ प्रसारित

वर्ष 11 ■ अंक 242 हिन्दी दैनिक ■ लखनऊ, सोमवार, 8 जुलाई 2024 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 1.00

मोदी ने लोको पायलटों के जीवन को रेल की पटरी से उतार दिया : राहुल

हाथरस हादसे पर राहुल गंभीर, लिखा योगी को कड़ा पत्र

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार ने लोको पायलटों के जीवन की रेल को पटरी से उतार दिया है और उनके जीवन को बहुत कठिन बना दिया है इसलिए वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे । श्री गांधी दो दिन पहले नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों से मिले थे और उन्होंने लोको पायलट की समस्याएं सुनी ।इस दौरान लोको पायलेट्स ने उन्हें अपनी दिक्कतें बताई और कहा कि उनका जीवन बहुत कठिन हो गया है । उनसे बहुत ज्यादा काम लिया जाता है , छुट्टी नहीं दी जाती है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिलता जो रेल दुर्घटनाओं की भी एक वजह है । श्री गांधी के लोको पायलट से मुलाकात का वीडियो कांग्रेस ने रविवार को अपने ट्विटर हैंडल पर जारी किया जिसमें पायलेट अपनी समस्या श्री गांधी को बता रहे है। कांग्रेस नेता ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद कहा कि मोदी सरकार में लोको पायलटों का जीवन बेहद मुश्किल हो चुका है । कांग्रेस नेता ने कहा लगातार और बिना छुट्टी के काम करने की वजह से लोको पायलटों शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं इंडिया समूह लोको पायलटों के अधिकारों और वर्किंग कंडीशंस को बेहतर किए जाने के लिए संसद तक आवाज उठाएगा। नरेंद्र मोदी की सरकार में लोको पायलटों के जीवन की रेल पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। उन्होंने कहा गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर लोको पायलट 16-16 घंटे काम करने को मजबूर हैं। जिनके भरोसे करोड़ों जिंदगियां चलती हैं उनकी अपनी जिन्दगी का कोई भरोसा नहीं रह गया है। यूरिनल जैसी बेसिक सुविधाओं से भी वंचित लोको पायलट्स के न काम के घंटों की कोई लिमिट है और न ही उन्हें छुट्टी मिलती है जिसके कारण वह शारीरिक और मानसिक रूप से टूट कर बीमार हो रहे हैं। ऐसे हालात में लोको पायलटों से गाड़ी चलवाना उनकी और यात्रियों की जान को जोखिम में डालना है । हाथरस हादसे को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गंभीर है। उन्होंने हाथरस भगदड के पीडितों की पीड़ा को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आर्थिक सहायता बढ़ाकर उनकी जल्द से जल्द मदद करने का आग्रह किया है और घटना के लिए स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है । श्री गांधी ने लिखा कि उन्होंने भगदड़ हादसे से प्रभावित पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख महसूस कर उनकी समस्या को जानने का प्रयास किया है और समस्या से अवगत कराकर उनकी आर्थिक सहायता बढ़ाने का आग्रह कर रहे हैं । उन्होंने मुख्यमंत्री से शोकाकुल परिवारों को जल्द से जल्द सहायता प्रदान करने का आग्रह करते हुए कहा है कि दुख की इस घड़ी में उन्हें सामूहिक संवेदना और सहायता की जरूरत

है और बिना देर किए उन्हें ज्यादा राशि उपलब्ध कराई जानी चाहिए । कांग्रेस नेता ने घटना के लिए स्थानीय प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया और कहा कि घटना की पारदर्शी जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा देकर लोगों को न्याय मिलना चाहिए। गौर तलब है कि हाथरस में गत दो जुलाई को एक सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई थी जिसमे 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी ।घटना के बाद श्री गांधी पीड़ित परिवारों से मिल कर उनसे बातचीत कर उनका दर्द समझा है।

रोहतास में दर्दनाक हादसा, पैर धोते समय नहर में बहीं 4 छात्राएं, 3 के शव बरामद...एक की तलाश जारी

(एजेंसी) सासाराम। बिहार के रोहतास जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां पर 3 छात्राओं की नहर में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक बच्ची की तलाश की जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल पसर गया। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालगंज कुराईच स्थित धुवां गांव की है। मृतकों की पहचान धुवां गांव निवासी मुन्ना यादव की बेटी बिपाशा कुमारी तथा बिट्टू कुमारी और धनजी प्रसाद की पुत्री रिमझिम कुमारी के रूप में हुई है, जबकि पुर्णवासी यादव की बेटी पूजा कुमारी की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि चारों बच्चियां शनिवार की शाम महदीगंज विद्यालय से पढ़ने के बाद घर लौट रही थी। इस दौरान बीच रास्ते में एक छात्रा नहर में पैर धोने लगी। पैर फिसल जाने से वह नहर के तेज बहाव में बह गयी। नहर में डूबी बच्ची को बचाने के क्रम में तीन अन्य छात्रा भी नहर में डूब गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफकी टीम मौके पर पहुंची थी। चार में तीन छात्राओं का शव 16 घंटे के बाद आज यानी रविवार को बरामद किया गया, जबकि एक बच्ची की तलाश अभी भी जारी है।

उपचुनाव खातिर लखनऊ आए अखिलेश

सीसामऊ से नसीम सोलंकी लड़ेंगी उपचुनाव, अखिलेश ने दिया सिग्नल, सोलंकी तैयार

(संवाददाता)

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव संसद का सत्र खत्म होते ही लखनऊ आ धमके। वे उप चुनाव के लिए अपने सूबाई दफ्तर में जम गए हैं। उपचुनाव में सीटों और कैंडिडेट को लेकर अपने संगठन और नेताओं से फीडबैक लेना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में जीत हासिल करना उनके सियासी भविष्य के लिए जरूरी है। ये उनका लिटमस टेस्ट होगा। इन सीटों पर बीजेपी चुनाव हारती है तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठने शुरू होंगे। लोकसभा में जीत से बने माहौल को अखिलेश यादव उपचुनाव में भी बनाए रखना चाहेंगे क्योंकि 2027 में उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव उनके लिए बहुत अहम होने

वाला है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 80 लोकसभा सीटों की ज्यादातर विधानसभा सीटों पर सपा और कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की है। सीसामऊ विधानसभा उप चुनाव में सपा ने निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी के नाम पर मोहर लगा दी है। सपा हाईकमान ने नसीम सोलंकी को टिकट देने के निर्णय के साथ चुनाव की तैयारी करने के लिए महानगर इकाई के मार्फत सूचना भिजवा दी। कल सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महानगर इकाई के पदाधिकारियों, सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के दोनों अध्यक्षों को लखनऊ बुलवाया था। हाई कमान ने अपना निर्णय बता दिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव से महानगर इकाई के अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर तथा सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष वरुण जायसवाल और आसिफकादरी ने मुलाकात की। अखिलेश यादव ने निर्देश दिए हैं कि सीसामऊ उप चुनाव में निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी चुनाव लड़ेंगी। चुनाव की तैयारी शुरू करने के लिए संदेश भी भिजवाया। नसीम सोलंकी के घर जाकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश बता दिया गया। नसीम सोलंकी का कहना है कि पहली कोशिश है कि इरफान सोलंकी की विधायकी न जाए और हाईकोर्ट से राहत मिल जाए। अगर उप चुनाव होगा तो पूरी ताकत के साथ लड़ा जाएगा। क्षेत्र की जनता हमारे साथ है।

जो क्षेत्र भारत के कब्जे में था, वहां चीन अपने सैन्य अड्डे कैसे बना रहा : खड़गे

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि चीन एलएसी पर बॉर्डर की जो स्थिति है, उस पर देश को विश्वास में लिया जाए। सवाल किया कि जो एरिया मई 2020 तक भारत के कब्जे में था, वहां चीन अपने सैन्य अड्डे कैसे स्थापित कर सकता है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि चीन पैंगोंग त्सो के पास उस जमीन पर सैन्य अड्डा कैसे बना सकता है, जो मई 2020 तक भारत के कब्जे में था? वो भी तब जब हम गलवान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए क्लीन चिट के

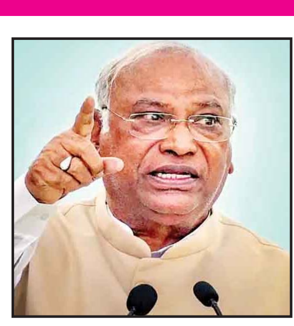

पांचवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, जहां (गलवान) हमारे बहादुर सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, चीन हमारी क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करना जारी रख रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 10 अप्रैल 2024 को विदेशी प्रेस को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी वैश्विक मंच पर भारत का पक्ष मजबूती से रखने में नाकाम रहे। 13 अप्रैल 2024 को विदेश मंत्री ने यह बयान दिया कि चीन ने हमारी किसी भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है। विदेश मंत्री के इस बयान ने चीन के प्रति मोदी सरकार की नम्र नीति को उजागर कर दिया। 4 जुलाई 2024 को भले ही देश के विदेश मंत्री ने अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात की और कहा कि एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) का सम्मान करना और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना आवश्यक है।

लेकिन, चीन हमारे क्षेत्र पर कब्जा करने और सिरिजाप में एक सैन्य अड्डे का निर्माण करने के लिए आक्रामक बना हुआ है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा यह वह भूमि है जो भारतीय नियंत्रण में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एलएसी पर यथास्थिति कायम नहीं रखने के लिए केंद्र की मोदी सरकार जिम्मेदार है। हमने डेपसांग प्लेन्स, डेमचोक और गोगरा हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र सहित 65 में से 26 पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) पर कब्जा खो दिया है। मोदी की चीनी गारंटी जारी है, क्योंकि उनकी सरकार अपनी लाल आंख पर 56 इंच के बड़े चीनी ब्लिंकर पहनती है। उन्होंने एक बार फिर एलएसी पर सीमा की स्थिति पर देश को विश्वास में लेने की अपनी मांग दोहराई है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि हम अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

आगरा में बड़ा हादसा

यमुना एक्सप्रेस वे के इंटरचेंज पर नहाने के दौरान गड्ढे में डूबे 4 बच्चे, सभी की हुई मौत

(संवाददाता) आगरा । उत्तर प्रदेश के आगरा में आज एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां पर खंदौली यमुना एक्सप्रेस वे इंटरचेंज पर बने गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। यह सभी बच्चे नहाने गए थे, इस दौरान गड्ढे में डूब गए। बच्चों को डूबते देख महिला सहित 6 लोग बचाने के लिए पानी में कूद गए। इस घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी मिलते ही ग्रामीण वहां पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर सभी को बाहर निकाला। इस हादसे में चार बच्चों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा खंदौली यमुना एक्सप्रेस वे इंटरचेंज हुआ। दरअसल, यमुना एक्सप्रेस-वे इंटरचेंज पर बारिश के दौरान आने वाले पानी को बहाने के लिए एकत्रित करने के लिए तालाब बनाया गया है। यहां पर कानपुर व औरेया के रहने वाले सात मजदूर परिवार विगत दिनों से तम्बू लगाकर रह रहे हैं। जो आसपास के गांवों में जाकर समान बेचते थे। रविवार सुबह पास में ही बने पानी से भरे गड्ढे में तीन बच्चे हिना, खुशी व चांदनी नहाने के लिए कूद गए। कुछ ही देर बाद तीनों डूबने लगे। उनकी चीख पुकार सुनकर परिवार की महिला नगीना पत्नी छिगा, अनुराधा, रागिनी, प्राची, सनी व रिया भी कूद गईं। सभी एक साथ डूबने लगे। सभी की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर आ गई। इसके बाद पुलिस व ग्रामीणों ने रस्सी डालकर सभी को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। जिनमें हिना, खुशी, चांदनी और रिया की मौत हो गई। अन्य सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया। यहां पर उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर एसीपी और विधायक भी पहुंच गए। वहीं, इस घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

उत्कृष्ट कार्य हमारी सबसे बड़ी ताकत : मोदी

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में लोगों का उत्साह : प्रधानमंत्री

❑ पीएम मोदी ने कहा, ऑस्ट्रिया की यात्रा से दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे

(एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयों का उत्कृष्ट कार्य तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का उत्साह देश की सबसे बड़ी ताकत है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के 'इनक्यूबेशन इनोवेशन फंड' के सातवें स्थापना दिवस पर लिखित संदेश में मोदी ने कहा कि भारत के प्रति दुनियाभर में जिस तरह का आशावाद और भरोसा देखा जा रहा है, वह देश की ताकत को दिखाता है। मोदी ने कहा, भारत अपार संभावनाओं वाला देश है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हमारे देशवासियों की भागीदारी और देश के विकास के लिए उनका उत्साह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करना और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। मोदी ने कहा, आज का आशावाद और हमारी क्षमताओं में अटूट विश्वास अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा और व्यापार सहित सभी क्षेत्रों तक फैला हुआ है। जेआईटीओ जैसे संगठनों ने पिछले दशक में इन उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में योगदान दिया है। जेआईटीओ इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फंड (जेआईआईएफ) ने छह और सात जुलाई को अपना वार्षिक 'इनोवेशन कॉन्क्लेव' आयोजित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि 9 जुलाई से शुरू होने वाली उनकी ऑस्ट्रिया यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है। प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रियाई चांसलर की एक पोस्ट का जवाब

देते हुए एक्स पर लिखा, धन्यवाद, चांसलर कार्ल नेहमर। इस ऐतिहासिक अवसर पर ऑस्ट्रिया की यात्रा करना वास्तव में सम्मान की बात है। दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर चर्चा का इंतजार कर रहा हूं।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान: खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, पिता-पुत्री ने मौके पर तोड़ा दम खाटू श्याम मंदिर से लौट रहे थे घर

(एजेंसी) अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले के बांदरसिंदरी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई जिससे कार सवार व्यक्ति और उसकी बेटी की मौत हो गई जबकि चालक सहित 7 अन्य लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि हादसा जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर किशनगढ़ में बांदरसिंदरी थाना इलाके के पाटन में हुआ। उसने बताया कि कार सवार लोग सीकर के खाटू श्याम मंदिर में पूजा अर्चना कर लौट रहे थे। थानाधिकारी पारूल यादव ने बताया कि हादसे में कार सवार किशनगढ़ के यूआईटी कॉलोनी निवासी रवि सिन्धी (35) और उसकी डेढ़ साल की बेटी की मौत हो गई।

अलग-अलग मुठभेड़ों में पांच आतंकवादी ढेर , दो जवान शहीद

(एजेंसी) श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में सुरक्षा बलों ने एक और आतंकवादी को मार गिराया , जिससे मारे गए आतंकवादियों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है ।वही इसमें दो जवान शहीद हो गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार को कुलगाम जिले में हुई लगातार मुठभेड़ों में चार आतंकवादी और एक शीर्ष पैरा कमांडो सहित दो सैनिक शहीद हो गए । मोदरगाम गांव और फ्रिसल चिनीगाम में दो आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, मोदरगाम में एक आतंकवादी मारा गया है। शनिवार को हुई मुठभेड़ में एक शीर्ष पैराकमांडो शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि फ्रिसल चिनीगाम में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राइफल्स का एक जवान भी शहीद हो गया।

असम में कुदरत का ये कैसा कहर, अब तक 70 लोगों की हो चुकी है मौत, 24 लाख लोग प्रभावित

(एजेंसी) गुवाहाटी । असम में रविवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही और करीब 24 लाख लोग इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत कई प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। सूत्रों ने बताया कि इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण अब तक 70 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को गुवाहाटी में एक नाले में गिरे 8 वर्षीय लड़के का शव शहर के राजगढ़ इलाके से बरामद हुआ है। उसके माता-पिता ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में शव की पहचान की। राज्य में 29 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें धुबरी में सबसे अधिक 7.95 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही कछार और दरांग जिले भी बाढ़ से बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं, दोनों जिलों में डेढ़-डेढ़ लाख लोग बाढ़ में फंसे हुए हैं। कुल 577 राहत शिविरों में 53 हजार से अधिक लोगों ने शरण ले रखी है। जोरहाट से धुबरी तक ब्रह्मपुत्र समेत प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

CMYK

मुरली मनोहर जोशी ने शिक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई

आरएसएस के कृष्ण गोपाल बोले, पैसे बनाने की मशीन बनी शिक्षा

(संवाददाता)

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा जो शिक्षा सभी के पहुंच में होनी चाहिए थी आज वो जरूरतमंदों से दूर हो गइ है। जो शिक्षा संस्कार को बढ़ाने वाली होनी चाहिए वो आज दक्षिण पंथी होती जा रही है। डॉक्टर जोशी भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन रविवार को लखनऊ के गन्ना अनुसंधान संस्थान में किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से बड़े स्तर पर लोगों को फायदा मिलना चाहिए था। वो नहीं मिल रहा है। अच्छी और संस्कारित शिक्षा व्यवस्था के लिए उन्होंने महामना मालवीय शिक्षण संस्थान समाज में एक नया उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। अन्य बड़े शैक्षिक संस्थानों को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए और नए लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएसएस के सह-सरकार्यवाहक कृष्ण गोपाल ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था सिर्फ पैसे बनाने का साधन बन चुकी है। आज देश में बहुत सी बातें खुशी नहीं बल्कि दुख दे रही हैं। देश कई क्षेत्रों में उन्नति कर रहा है पर कई ऐसे क्षेत्र में कमजोर भी हो रहा है। जिसपर हमें सोचना होगा। आज शिक्षा व्यवस्था भी ऐसी हो चुकी है, जो इंसान के सुख नहीं दुख का कारण बन रही है। आज सर्वाधिक अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षक बनाने की बजाय इंजीनियर बनाने में अधिक जोर दे रहे हैं। जबकि शिक्षक समाज का निर्माता होता है और इंजीनियर कंपनियों का सामान बेचने में जीवन निकाल देता है। कृष्ण गोपाल ने इस बात पर खुशी जताई किया कि महामना मालवीय शिक्षण संस्थान के जरिए 70 बच्चों ने विदेश से पीएचडी किया। वो बच्चे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में छात्रों का भविष्य निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक अपने पूरे जीवन काल में हजारों बच्चों के जीवन की संरचना करता है। जो छात्र अपनी कर्त्तव्यनिष्ठा, मातृभूमि और माता पिता को याद रखता है, वो हमेशा सफल रहता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर एचसी वर्मा ने कहा कि अच्छी शिक्षा के लिए सक्षम चिकित्सकों की आवश्यकता है। आज सबसे अधिक आवश्यकता अच्छे शिक्षक तैयार करने की है। उन्होंने कहा कि अगर हम दिमाग से सोचना और हाथ से काम करना विद्यार्थी को नहीं सिखा पाये तो परीक्षा पास कराने से कुछ नहीं होगा। लक्ष्य निर्धारण ठीक से करें और पूरी मेहनत से मन लगाकर पढ़ाई करें। महामना शिक्षण संस्थान की बालिका प्रकल्प की संयोजिका डा.अणिमा जामवाल ने बालिका प्रकल्प के भवन निर्माण के लिए सहयोग की अपील की। इस दौरान राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने महामना शिक्षण संस्थान के बालिका प्रकल्प के भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा की। आरएसएस के सह-सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल ने महामना शिक्षण संस्थान के शिक्षकों से एक साल में 200 छात्राओं के लिए छात्रावास तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि बीस बच्चियों से संचालित छात्रावास जिस दिन दो सौ छात्राओं वाला हो जाएगा उस दिन शिक्षा के क्षेत्र में यह संस्थान दूसरों के उदाहरण होगा।इस अवसर पर नीट एवं जेईई परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले महामना शिक्षण संस्थान लखनऊ के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संस्थान के संरक्षक प्रमोद तिवारी ने राष्ट्र प्रथम की भावना एवम् नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रतिज्ञा समस्त सफल विद्यार्थियों को दिलाई। महामना शिक्षण संस्थान के सचिव रंजीव तिवारी ने बताया कि पिछले तीन वर्ष में संस्थान से निकले 30 से अधिक विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित प्रौद्योगिक संस्थानों से बी.टेक. और एमबीबीएस की उच्च डिग्री प्राप्त करने हेतु अध्ययनरत हैं। यहां पर विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के शुल्क की व्यवस्था संस्थान द्वारा समाज के सहयोग से की जाती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन, प्रान्त प्रचारक कौशल, विद्या भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री हेमचन्द्र, प्रान्त प्रचारक प्रमुख यशोदानन्द,पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, विभाग प्रचारक अनिल, वनवासी कल्याण आश्रम के मनीराम पाल, प्रमोद तिवारी, राम मनोहर लोहिया संस्थान के सीएमएस डॉक्टर विक्रम सिंह, केजीएमयू डॉक्टर विनय गुप्ता, लोहिया के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. नवीन जामवाल, लविवि के पत्रकारिता विभाग के डा.सौरभ मालवीय और डा.संतोष शुक्ला प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनघ शुक्ला ने किया।

मुहर्रम का महीनारू सभी को अपनी आस्था के आधार पर अपने-अपने कार्यक्रम करने चाहिए- मुर्तजा अली

❑ अपने कार्यक्रम को प्रेम और भाईचारे का जरिया बनायें– मोहम्मद अफाक

(संवाददाता)

लखनऊ। शराबबंदी संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुर्तजा अली और राष्ट्रीय प्रवक्ता मुहम्मद आफाक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आज से मुहर्रम का महीना शुरू हो गया है, इसलिए सभी लोग अपनी आस्था के आधार पर इसका पालन करें अपने कार्यक्रम को प्रेम और भाईचारे का स्रोत बनायें और जलसा जुलूस के अनुसार किसी भी धार्मिक व्यक्ति की निंदा न करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें, जबकि यह अनुष्ठान शिया और सुन्नी का रिवाज है इस्लामिक शरिया नहीं है। आगे कहा कि शिया और सुन्नी के युवा लड़के-लड़कियां अपने-अपने कार्यक्रमों के बाद शांति व्यवस्था के साथ घर लौटें, न कि शोर शराबे के साथ। उनहों ने कहा की हिन्दू भाइयों का कावड़ यात्रा भी शुरू हो चुका है। यदि आप उनके कावड़ यात्रियों को दे खेँ तो बिना किसी भेद भाव के उनका समर्थन करें और उनके लिए रास्ता खाली कर दें। मुहम्मद अफाक ने कहा कि

शिया-सुन्नी कार्यक्रम जो भी हो, उसका संदेश शांति और सुरक्षा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहली मुहर्रम से 10वीं मुहर्रम तक इस दौरान विरोधाभासी मामलों को नजरअंदाज करना चाहिए, यह समय बहुत महत्वपूर्ण है। मुहम्मद आफाक ने कहा कि यदि आप किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद सुनते हैं तो अपने क्षेत्रीय थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी के साथ मिलकर समस्या का समाधान करें, न कि स्वयं निर्णय करने में लग जाएं। अंत में उन्होंने कहा कि हमें किसी के किसी भी कलर के कपड़े पहनने पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

धूमधाम से निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा

(संवाददाता)

लखनऊ। भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा लखनऊ में आयोजित की गई। यह महोत्सव श्री वैष्णोदेवी सेवा संस्थान लखनऊ और करुण कृष्ण दास के संयोजन में हुआ। यात्रा की शुरुआत पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पार्क से हुई और इसके बाद विभिन्न स्थानों पर रुकावट के साथ समाप्त हुई। इस महोत्सव में स्थानीय लोगों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भाग लिया और भगवान श्री जगन्नाथ जी के लिए विभिन्न व्यंजनों एवं पुष्पों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी एवं पश्चिम कार्यकर्ता अंजनी श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर कार्यक्रम संयोजक श्री करूणेश पाठक द्वारा सभी सहभागी सदस्यों को धन्यवाद स्वरूप तुलसी के पौधे भेंट किए गए।

लखनऊ की इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी : समाज सेवा में नया आयाम

(संवाददाता)

लखनऊ। आशियाना क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से, इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल के माध्यम से मानवता की सेवा कर रही है। इस सोसाइटी द्वारा चिन्हित स्थानों पर बच्चों, आश्रयहीनों, निराश्रितों, विक्षिप्त, बुजुर्गों और अकिंचनों को हर रविवार नि:शुल्क सात्विक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। संस्था के संस्थापक, विपिन शर्मा, ने इस प्रयास को निरंतर जारी रखते हुए सभी दानवीरों से इस पुण्य कार्य में जुड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि, 卐हमारा उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि इन असहाय लोगों को आशा और राहत प्रदान करना भी है। आपके योगदान से सैकड़ों भूखे और असहाय लोगों

को न केवल भोजन मिल सकता है, बल्कि उनका जीवन भी संवर सकता है। सामाजिक कार्यकर्ता असीम रॉय ने कहा समाज के विभिन्न वर्गों को मिल रही है मदद, सोसाइटी द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से समाज के विभिन्न कमजोर वर्गों को लाभ हो रहा है। बच्चे, जो पौष्टिक आहार की कमी से जूझ रहे हैं, बुजुर्ग जो अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में किसी के सहारे के बिना हैं, विक्षिप्त और निराश्रित जिन्हें समाज ने छोड़ दिया है, इन सभी को यह सोसाइटी संबल प्रदान कर रही है। संस्था के सदस्य गगन शर्मा ने अपील की, यह कार्य केवल संस्था के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। यदि हम सभी मिलकर इस प्रयास में सहभागी बनें तो हम समाज के उन लोगों को भी मुख्य धारा में ला सकते हैं जो अभी तक हाशिए पर हैं। मैं सभी दानवीरों से अपील करता हूँ कि इस मानवीय कार्य में अपना योगदान दें और इसे और अधिक व्यापक और प्रभावी बनाएं। वहीं संस्था की सदस्य मिठू रॉय ने कहा आपका छोटा सा योगदान भी सैकड़ों भूखे और असहाय लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। न केवल उन्हें पौष्टिक भोजन मिलेगा, बल्कि उनके अंदर जीवन जीने की एक नई उम्मीद भी जागेगी। यह एक ऐसा कार्य है जो मानवता की सेवा का सबसे उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करता है। संस्था के वरिष्ठ सदस्य पंकज राय से हुई बातचीत में उन्होंने कहा जो लोग इस पहल से जुड़ना चाहते हैं, वे सीधे इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी से संपर्क कर सकते हैं। संस्था की ओर से सभी दानवीरों का स्वागत है और उनकी ओर से किए गए हर योगदान को सराहा जाएगा। संस्था विश्वास दिलाती है कि उनके द्वारा दिया गया हर अंशदान सही लोगों तक पहुंचेगा और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। समाज सेवी संजय श्रीवास्तव ने बताया लखनऊ की इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का यह प्रयास न केवल एक मानवीय कार्य है, बल्कि यह समाज को एकजुट करने और एक दूसरे की मदद करने की प्रेरणा भी देता है। आइए, हम सब मिलकर इस नेक काम में सहभागी बनें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। संस्था के वरिष्ठ सदस्य एस. के. मिश्रा ने बताया आज के भोजन में तहेरी, चटनी, आम व मिष्ठान का वितरण रतन खण्ड पानी टंकी, नवनिर्मित बिद्यालय के. आर. मगलमय रत्नखण्ड के मजदूरों व जोन 8 के सामने झुग्गियों में किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ सात्विक भोजन का आनंद लिया।

प्रदेश के 17,342 कारीगर और शिल्पकार हुए प्रशिक्षित

(संवाददाता)

लखनऊ। कारीगरों और शिल्पकारों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 21 जनपदों में 17,342 कारीगरों और शिल्पकारों को प्रशिक्षण दिया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य कारीगरों और शिल्पकारों की आजीविका में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के अंतर्गत आगरा, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बलरामपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, झांसी, कौशांबी, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, मऊ, प्रतापगढ़, सहारनपुर, सोनभद्र और वाराणसी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से योगी सरकार कारीगरों का कौशल निखारकर उन्हें रोजगार के साथ ही स्वरोजगार के लिए सक्षम बना रही है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ।कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कारीगरों और शिल्पकारों को विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षित किया गया, जिनमें असिस्टेंट बारबर, सैलून सर्विसेस, असिस्टेंट हेयर ड्रेसर, ब्लैकस्मिथ लोहार ब्रिक मेसन, बेसिक, कारपेंटर्स, कंक्रीट मेसन-बेसिक, गोल्डस्मिथ सुनार हैमर एंड टूल किट मेकर, प्लास्टर मेसन-बेसिक, पॉटर कुम्हार शूजस्मिथ कॉबलर, टेलर दर्जी ट्रेडिशनल मालाकार, ट्रेडिशनल सॉफ्ट टॉय मेकर और वॉशरमैन शामिल हैं।पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत प्रशिक्षित कारीगरों और शिल्पकारों ने अपनी दक्षताओं में सुधार किया है और उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण मिला है।

सपा ने की थी प्रमोशन में आरक्षण की खिलाफत

कांग्रेस ने की थी संविधान की हत्या : कौशल किशोर

(संवाददाता)

लखनऊ। भारतीय संविधान पर गांधी भवन सभागार लखनऊ में सम्मेलन हुआ। श्भारतीय संविधान है और रहेगाश् विषय पर आज लखनऊ के गांधी भवन सभागार में पारख महासंघ द्वारा सम्मेलन का आयोजन पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पूरे प्रदेश से संविधान पर चर्चा के लिए सभी समाज, सभी वर्ग के लोग शामिल हुए और अपनी अपनी राय रखी। कौशल किशोर ने मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों के बारे में बताया। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी के अध्यक्ष की हत्या पर तमिलनाडु सरकार की निंदा की ।कौशल किशोर ने कहा सपा और कांग्रेस समेत इंडी गंठबंधन ने उत्तर प्रदेश में पीडीए चलाया और झूठा भ्रम जनता में फैलाया उन्होंने कहा सपा कांग्रेस ने पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक को एक होने के लिए कहा और अगड़ा समाज को भूल गए जबकि अगड़े समाज में बहुत गरीब तपके के लोग हैं जिनको मुख्य धारा में लाना जरूरी है इसलिए पारखघ् महासंघ पूरे प्रदेश में डीपीए मतलब दलित पिछड़ा अगड़ा की संविधान है और संविधान रहेगा यात्रा पूरे प्रदेश में जगह जगह निकालेगी जिसकी शुरुआत लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली इन 6 जिलों से की जाएगी। कौशल किशोर ने कहा पिछड़े में हिंदू धर्म के साथ सिक्ख और मुस्लिम समाज के भी पिछड़े लोग आते हैं ये सभी इस यात्रा में शामिल होंगे ।कौशल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस समेत विपक्ष ने लोकसभा चुनाव के दौरान भ्रामक प्रचार कर जनता को गुमराह करने का कार्य किया जबकि प्रमोशन में आरक्षण को खत्म करने का कार्य समाजवादी पार्टी ने अपने शासन में किया सपा सरकार ने आरक्षण से एससी एसटी वर्ग के प्रमोट हुए अधिकारियों को डिमोट कर आरक्षण का और बाबा साहेब डॉ अंबेडकर का अपमान किया था इसे समाज को कभी भूलना नहीं चाहिए कौशल किशोर ने आगे कहा कांग्रेस ने अपने शासन काल में इमरजेंसी लगाकर संविधान की हत्या की थी। सपा कांग्रेस दोनों आरक्षण और संविधान की विरोधी हैं इनको सत्ता पाने के लिए झूठ बोलने की आदत हो गई है। कौशल किशोर ने कहा जनता को संविधान ने और आरक्षण ने जांचने परखने का अधिकार दिया है। एससी एसटी ओबीसी अगड़ा और सभी धर्म और समाज के पिछड़े लोगों के उत्थान का और उनको सशक्त करने का कार्य मोदी और भाजपा कर रही है मोदी के नेतृत्व में आरक्षण के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता और संविधान को कोई खत्म नहीं कर सकता विपक्ष जानबूझकर भ्रमित कर रहा है जबकि मोदी जी डा. अंबेडकर के मिशन को पूरा कर रहे हैं इस बात को जनता को समझना चाहिए आज सभी वर्ग, सभी समाज के गरीब पिछले 10 वर्षों में सशक्त हो रहे हैं उन्हें अच्छी सुविधाएं मिल रही हैं इसलिए विपक्ष को ये बात खल रही है और वो झूठा प्रचार कर रही है इसी का पर्दाफाश करने और जनता को जागरूक करने के लिए डा अंबेडकर के मिशन को पूरा करने के लिए पूरे प्रदेश में डीपीए की यात्रा निकाली जाएगी।

ढाई माह से लापता बुजुर्ग को पुलिस ने ट्रेन से भेजा घर

(संवाददाता)

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे में बीते कई दिनो से भूखे प्यासे घूम रहे बुजुर्ग के पास जाकर शनिवार को चौकी इंचार्ज वीर बहादुर दुबे व सिपाही विकास जायसवाल ने बात की तो पहले तो उन्हे उसकी भाषा समझ नही आयी। जिसके बाद भूखे प्यासे बुजुर्ग को इंचार्ज ने चौकी पर लाकर पेट भर खाना खिलाने के बाद बुजुर्ग का नाम पता पुछा तो उसने अपना नाम मल्लेशप्पा निवासी भाग्यनगर,जिला कोपल,कर्नाटक बताया। जिसके बाद चौकी इंचार्ज ने एसीपी राधा रमण सिंह से बात कर उन्हे बुजुर्ग के पते के बारे में बताया जिसके बाद एसीपी ने बुजुर्ग के बताये गये पते के जिले के एसपी से फोन पर बात कर परिजनो से सम्पर्क साधने की कोशिश की ओर कुछ देर में ही कामयाबी भी मिली,कर्नाटक पुलिस ने बुजुर्ग के भाग्यनगर में रहने वाले बेटे वीरु से सम्पर्क किया तो पता चला बुजुर्ग मल्लेशप्पा ढाई महीने से लापता है,कर्नाटक पुलिस से बेटे का नम्बर मिलने के बाद चौकी इंचार्ज ने उसके बेटे वीरू से बात की तो लखनऊ पहुंचने में कई दिन लगने की बात कही तो पुलिस ने उससे बुजुर्ग को ट्रेन से घर भेजने व निकटतम रेलवे स्टेशन पर बुजुर्ग को ट्रेन से उतार लेने की बात बेटा से कही तो वो राजी हो गया।जिसके बाद शनिवार को सिपाही विकास जायसवाल व होमगार्ड ज्ञान सिंह बुजुर्ग मल्लेशप्पा को सरकारी जीप से लखनऊ के बादशाहनगर रेलवे स्टेशन ले जाकर ट्रेन का टिकट काटाकर व खाने पीने का सामान व कुछ पैसे देकर यशवंतपुर सुपर फास्ट एक्सप्रेस में बिठाकर उसके घर कर्नाटक के लिये रवाना कर बेटे को फोन कर ट्रेन में बिठाने की सूचना दी तो बेटे ने पुलिस को धन्यवाद दिया।

सतरंगी कार्यक्रम में बच्चों व युवाओं के नृत्य संग अनेक विभूतियां सम्मानित

(संवाददाता)

लखनऊ। जे पी एस स्टार 11 के तत्वावधान और इमपल्स सिने एंटरटेनमेंट के सहयोग से आज उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के प्रेक्षागृह में आयोजित हुए कार्यक्रम सतरंगी में बच्चों व युवाओं के नृत्य संग अनेक विभूतियां सम्मानित हुईं। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रदीप श्रीवास्तव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि फिल्म निर्माता प्रदीप श्रीवास्तव और अरविन्द सक्सेना ने नाट्य निर्देशक जितेन्द्र सिंह, फिल्म लेखक श्वेता श्रीवास्तव, आलोक राजा, शैलेन्द्र शर्मा, नीलेश पाल, सीमा विरमानी, रिचा तिवारी, नेहा वर्मा, अनुराधा यादव, कथक नृत्यांगना हुमा साहू, लोक नृत्यांगना अंकिता बाजपेयी, आरती शुक्ला, डॉ लाल जीत मौर्या, प्रदीप दास,

आशीष, गणेश राजभर और जादूगर बादशाह को पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सतरंगी कार्यक्रम का शुभारंभ नेहा वर्मा के नृत्य निर्देशन में वैष्णवी वर्मा, तान्या सक्सेना, परी वर्मा, कुसमा, खुशबू, चेष्ठा श्रीवास्तव और पारुल यादव ने गणेश वंदना पर भाव नृत्य से किया। इसी क्रम में दित्या तिवारी, रिद्धिमा सबरवाल और गौरा ने राम आयेंगे पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को भगवान श्री राम की भक्ति के सागर में आकंठ डुबोया। अनन्या भट्ट, अद्विति, रिद्धिमा ने हरियाणवीं लोक नृत्य प्रस्तुत किया। घर मोरे परदेशिया पर आनंदी अग्रवाल, काव्या अग्रवाल, पायलिया पर आनंदी, काव्या, नगाड़े संग ढोल बाजे पर साक्षी, काश्वी , अनम, आयत, आराध्या और अयान , काश्वी व साक्षी ने राजस्थानी गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसके अलावा सुरों के सरताज, नृत्य मंथन स्कूल ऑफ डांस, बूम प्रोडक्शन, सुभद्रा नृत्य संस्थान, आदि शक्ति नृत्य अकादमी, आशा नृत्यांगना स्टूडियो, वैष्णवी डांस इंस्टिट्यूट, ध्वनि फाउंडेशन, आंचल समाजोंत्थान सेवा समिति और दिव्य आशीष योग संस्थान के कलाकारों ने नृत्य की विभिन्न विधाएं प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोहा। इस मौके पर सतरंगी शो के संयोजक अरविन्द सक्सेना ने बताया कि यह कार्यक्रम लखनऊ के बाद उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में भी आयोजित किया जाएगा। इमपल्स सिने इंटरटेनमेंट के निदेशक प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्यक्रम लोगों के जीवन में खुशियों के रंग भर देगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से जो प्रतिभावान कलाकार आगे आयेंगे, उन्हें उचित प्लेटफॉर्म प्रदान किया जाएगा।

द मदद सहयोग गाइडेंस फाउंडेशन द्वारा मेडिकल कैंप का आयोजन

(संवाददाता)

लखनऊ। द एमएसजी फाउंडेशन द्वारा पुराने लखनऊ स्थित कर्बला दियानत-उद-दौला बहादर, सआदतगंज में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया इस मेडिकल कैंप में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. शाहिद रजा (अधीक्षक, शहरी सीएचसी चंदर नगर, लखनऊ), अतिथि सैयद अली जैदी (सहायक प्रोफेसर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती), कुमारी फरहीन अंसारी (न्यूज एंकर उल्टा चश्मा यूसी), सैयद अजीम अब्बास मूसव्वी मौजूद रहे। आज के इस मेडिकल कैंप में लोगों को मुफ्त दवा दी गई साथ ही उनका चेकअप भी किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. शाहिद रजा ने कि हमें ऐसे कैंप्स की संख्या बढ़ानी चाहिए ताकि हम अपने समाज के कमजोर वर्गों तक पहुँच सकें और उन्हें सही मार्गदर्शन, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने में मदद मिल सके। मुफ्त दवा के साथ फ्री चेकअप होने पर लोगों ने खुशी का इजहार किया और द एमएसजी फाउंडेशन के द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना किया। वही डॉक्टर टीम में, डॉ. मोहम्मद अशरफ डॉ. फिरदौस, डॉ. मोहम्मद उस्मान, डॉ पार्थ गौर, डॉ. मोहम्मद अपसर, डॉ. मारिया , डॉ. आसिफ खान और डॉ, मुरसलीन मौजूद रहे। द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से मोहम्मद आलम,इमरान अली, आरुषि गंगवार, आमिर रजा ,सैयद रहबर हुसैन ,अरहर अब्बास,और मोहम्मद सादिक मौजूद रहे।

मूसलाधार वृष के बाद भी गोमती मित्रों ने चलाया अपना साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश रविवार को प्रातः से ही फिर शुरू हो गयी थी।गोमती मित्रों को चिंता थी सीता कुंड धाम पर साप्ताहिक श्रमदान की कारण पिछले तीन दिन से हो रही बारिश से पूरे धाम पर गंदगी व कीचड़ हो गया था,जिसे साफकरना बहुत जरूरी था। ताकि शाम की आरती बिना किसी असुविधा के आराम से हो सके।इसलिए मूसलाधार बारिश में भी गोमती मित्रों ने सीता कुंड धाम पहुंचकर अपने साप्ताहिक श्रमदान की शुरुआत की और बारिश रुकने पर पूरे तट परिसर में झाड़ू लगाकर इधर-उधर फैले कूड़े करकट को साफकर एक जगह एकत्रित किया।प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने सभी गोमती मित्रों से ष्एक पेड़ मां के नामष् जरूर रोपित करने का निर्देश दिया।वरिष्ठ पदाधिकारी संत कुमार प्रधान ने गोमती मित्रों को पौधा लगाने के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलवाया।श्रमदान में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश महेश्वरी,संत कुमार प्रधान,मुन्ना सिंह,राजेश पाठक,राकेश सिंह दद्दू,आलोक तिवारी,प्रांजल,अभय, आयुष,अमन, राजन आदि शामिल रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक

संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अंबेडकर नगर वन प्रभाग की जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान आगामी महावृक्षारोपण अभियान के सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया और सभी विभागों की तैयारियों की समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पर्यावरणीय समिति ध् जिला गंगा संरक्षण समितिं, गंगा एवं सहायक नदियों में प्रवाहित किये जा रहे सीवेज के प्रवाह को शून्य करने हेतु निर्धारित समय में एक्शन प्लान तैयार करने हेतु आवश्यक सूचना ध्सुझाव एवं माननीय अधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप पर समस्त सूचनाओं को समस्त संबंधित विभागों द्वारा शीघ्र उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में, तमसा में हाईफ्लड लेवर का चिन्हीकरण कराने के सम्बन्ध में,जिला वृक्षारोपण समिति,जलवायु परिवर्तन अनु0 के अनुपालन के संबंध में बिन्दुवार समीक्षा गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया गया कि विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने की कार्य योजना तैयार करे। बैठक के दौरान डीएफओ डॉ उमेश कुमार तिवारी,अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता, समस्त उप जिलाधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तत्काल मुहैया कराएं ऋण - नेशनल रिसोर्स पर्सन

संवाददाता, सुल्तानपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान हैदराबाद से आए नेशनल रिसोर्स पर्सन जितेंद्र कुमार यादव और अनिल शर्मा ने सभी बैंकर्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह को बढ़ाना केंद्र व राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में है। इन्हें हर हाल में समय पर लोन मुहैया कराना हमारा दायित्व है। विकास भवन के प्रेरणा सभागार में संबोधित करते हुए उन्होंने यह बातें सभी बैंक के प्रतिनिधियों से कहीं।

बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये प्रशासन ने कसी कमर

संवाददाता, उतरौला(बलरामपुर)। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिये बनाई गई 13 बाढ़ राहत चौकियों व 5 बाढ़ राहत केंद्र का उपजिलाधिकारी अवधेश कुमार ने निरीक्षण किया।एस डी एम ने बताया कि प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।बाढ़ राहत चौकियों पर राजस्व विभाग, स्वास्थ विभाग व विकास विभाग के कर्मचारियों की तैनाती है।

वाँछित अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता, उतरौला (बलरामपुर)। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी उतरौला प्रमोद कुमार यादव के पर्यवेक्षण में रविवार को थाना कोतवाली उतरौला प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार दूबे व उनकी टीम उपनिरीक्षक किसलय मिश्र, उपनिरीक्षक मनीष कुमार मिश्र,कांस्टेबल आशीष विश्वकर्मा, कांस्टेबल अरविन्द यादव,कांस्टेबल अंकित कुमार,कांस्टेबल अजीत कुमार,कांस्टेबल जयकिशन के द्वारा थाना उतरौला पर पंजीकृत मु0अ0सं 369/2023 धारा 392 भा0दं0वि0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शिवम् पाण्डेय पुत्र सुरेन्द्र पाण्डेय निवासी ढोगहीं थाना धानेपुर जनपद गोण्डा उम्र करीब 24 वर्ष को ढ़ोगही थाना थानेपुर जिला गोण्डा से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय रवाना किया गया ।

डिजिटलाइजेशन को लेकर मुखर हुआ शिक्षक संघ

काली पट्टी बांधकर पठन-पाठन करेंगे शिक्षक

संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा अपने-अपने विद्यालय में पंजिकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल (डिजिटल फेस छायांकन) के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पठन पाठन कार्य किया जाएगा।राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय जिला अध्यक्ष ने बताया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सम्बद्ध अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ नई दिल्ली के निर्देशन में प्रेषित पत्र के अनुपालन में बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विभाग द्वारा दोहरा माप दण्ड अपनाते हुए परिषदीय शिक्षक-शिक्षिकाओं से उपस्थिति कराए जाने संबंधी निर्देश का विरोध-आन्दोलन किए जाने का निर्णय लिया गया है।समस्याओं के परिपेक्ष्य में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा सरकार,शासन एंव विभाग को प्रमुखता से पूर्व में प्रेषित पत्र के माध्यम से संज्ञानित कराया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से प्रदेश के शिक्षकों का वेतन विसंगति,स्वास्थ बीमा, विद्यालयों में लिपिक की नियुक्ति एंव चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति की मांग व प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं का गंभीर मुद्दा पुरानी पेंशन सहित अनेक कई मांगें-समस्यांए सम्मिलित है। जिसका निराकरण विभाग द्वारा अभी तक नही किया गया है। विभागीय उच्चाधिकारियों को संगठन द्वारा पत्र के माध्यम से यह भी अवगत कराया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ दोहरा माप दण्ड अपनाते हुए प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं से पंजीकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल उपस्थिति (डिजिटल फेस छायांकन) कराया जाना उचित नही है।जबकि सचिवालय कर्मचारी, राज्य कर्मचारी, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा सहित अन्य विभागों में बायोमेट्रिक प्रणाली लागू किया गया है या लागू किया जाना है। वहीं माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानसार किसी भी व्यक्ति का डिजिटल फोटो छायांकन लिया जाना निजता का हनन माना गया है। जिला मंत्री दिनेश उपाध्याय ने कहा कि संगठन द्वारा शासन एंव विभागीय उच्चाधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक-शिक्षिकाओं की लम्बित व बाधित समस्याओं का समाधान किया जाना अति आवश्य है।जिसके उपरान्त ही अन्य विभागों में उपस्थिति के भांति बेसिक शिक्षा में भी प्रणाली लागू किया जाना समसामायिक होगा परन्तु विभागीय उच्चाधिकारियों द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ दोहरा माप दण्ड अपनाते हुए प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं से पंजीकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल उपस्थिति कराए जाने का निर्देश 8 जुलाई से डिजिटल उपस्थिति (डिजिटल छायाकंन उपस्थिति) दिए जाने का निर्देश जारी किए गए हैं।जिला मीडिया प्रभारी रणवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ मांग करता है कि प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं को 30 ई0एल0,हाफइ0एल0,सप्ताह के दूसरे शनिवार को अवकाश सहित व्यवस्था लागू किया जाए एंव प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं की पूर्व से लम्बित-बाधित समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान किया जाए व परिषदीय शिक्षक-शिक्षिकाओं का वेतन विसंगति,स्वास्थ बीमा, विद्यालयों में लिपिक की नियुक्ति एंव चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति सहित प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकआों का गंभीर मुददा पुरानी पेंशन बहाल किया जाए।उसके उपरान्त ही अन्य विभागों में कर्मचारियों की उपस्थिति की भांति बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति लिया जाना समसामायिक एंव प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिकाओं के हित में होगा। इस संदर्भ में आप सब अवगत हों कि बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विभाग द्वारा दोहरा माप दण्ड अपनाते हुए परिषदीय शिक्षक-शिक्षिकाओं से पंजीकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल (डिजिटल फेस छायांकन) उपस्थिति कराए जाने संबंधी निर्देश का पूर्ण वहिष्कार-विरोध किए जाने के निर्णय के क्रम में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा घोषित आन्दोलन कार्यक्रम निम्नवत् है।8 जुलाई को प्रदेश के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा अपने-अपने विद्यालय में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पठन पाठन कार्य किया जाए। 11 जुलाई 2024 को प्रदेश के समस्त जनपद मुख्यालय पर जनपदीय कार्यसमिति-ब्लाक अध्यक्ष,मंत्री एकत्रित होकर जिलाधिकारी-जिला प्रशासन-जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा।प्रदेश संगठन के निर्देश के क्रम में जिला संगठन ने जिले के शिक्षकों से डिजिटल प्रक्रिया का पूर्ण बहिष्कार करते हुए पठन पाठन करते हुए संगठन के कार्यक्रमों को सफल बनाने का आवाह्न किया है।

मोहर्रम की सभी तैयारियां पूर्ण अकीदत के साथ मनाया जाएगा मोहर्रम

संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)। कर्बला के 72 शहीदों की याद में मनाए जाने वाला मोहर्रम का चांद रविवार को दिखने के बाद इसका आगाज हो गया। आठ जुलाई सोमवार मोहर्रम की पहली तारीख शुरू हो गई। मोहर्रम कमेटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ आरिफरिजवी ने बताया कि माहे मोहर्रम तैयारियां पूरी हों चुकीं हैं। इमामबाड़ा व घरों में साफ-सफाई का काम मुकम्मल हो चुका है। मोहर्रम क्षेत्र के कस्बा उतरौला, अमया देवरिया, रेहरामाफी, रैगांवा सादुल्लाह नगर मीरपुर, पचपेड़वा, तुलसीपुर व बलरामपुर सहित अन्य इलाकों में पूरी अकीदत के साथ मनाया जाता। नौ मोहर्रम की रात इमाम हुसैन के रौजे की नकल ताजिया को घरों के चौक व इमामबाड़ा में रखकर फातिहा दिलाने की परंपरा है। 10 मोहर्रम की शाम ताजिया को कर्बला में दफ्न किया जाता है। उतरौला व आसपास क्षेत्रों के घरों व इमामबाड़ा में बड़े व छोटे ताजिया बांस व कागज से बनाकर तैयार किए जा रहे हैं। डॉ आरिफ ने बताया कि बकरीद माह के 30वीं तारीख रविवार की शाम मोहर्रम का चांद निकलेगा। जिसे देखते ही लोग गमजदा हो जाते है। उसी रात से इमामबाड़ा व घरों में मजलिस का दौर शुरू होकर 10 वीं मोहर्रम तक चलता है। उन्होंने बताया कि नौवीं तारीख की शाम को कस्बा सहित अन्य गांवों में ताजिया रखने के बाद 10वीं तारीख को मजलिस के बाद अलम का मातमी जुलूस निकाला जाता है। कहा कि गम का यह महीना पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व उनके 71 साथियों की हक के रास्ते पर चलकर मिली अजीम शहादत, पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इसलिए हम लोग शांति एकता व भाईचारे के साथ सरकारी निर्देशानुसार मनाएं ताकि किसी को कोई असुविधा न होने पाए। उतरौला तहसील व आसपास के क्षेत्र में बड़े शानो शौकत के साथ शिया सुन्नी समुदाय के लोग मिलजुल कर माहे मोहर्रम का एहतमाम करते हैं। उतरौला में पहली मोहर्रम से लेकर 10 मोहर्रम तक 26 से ज्यादा इमामबाड़ों में फजर नमाज के बाद से देर रात तक मजलिसों का सिलसिला जारी रहता है और अजादारी की जाती है। शिया सुन्नी समुदाय के साथ-साथ हिंदू भाइयों को भी ताजिया में बड़ी आस्था है। रानीपुर, बदलपुर, गैड़ास बुजुर्ग, गायडीह, हुसैनाबाद, इटईरामपुर जैसे गांव में हिंदू मुस्लिम मिलकर इमाम हुसैन की याद में आलीशान ताजिया रखते हैं। मोहर्रम से पहले शहर में साफ सफाई इमामबाड़ों की पुताई का कार्य अपने अंतिम पड़ाव पर है। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन की याद में पूरी दुनिया में लोग बगैर मजहब मिल्लत में फर्क के अकीदत के साथ जारी रखते हैं। इमाम हुसैन और उनके परिवार की याद में जगह-जगह मुस्लिमों के अलावा हिंदू भाई भी पानी की सबील नियाज फातिहा आदि करते है। उतरौला में इस वर्ष मौलाना सिबते हैदर, मौलाना मोहम्मद अली, मौलाना फिदा हुसैन के अलावा बाहरी उलेमा भी मजलिस को खिताब ताब करेंगे। देश विदेश में रहकर काम करने वाले लोग भी मोहर्रम में अपने वतन आकर इमाम हुसैन की अजादारी करते हैं। डॉक्टर आरिफने नगरपालिका, बिजली विभाग व शासन प्रशासन से सहयोग की मांग भी की है।

जिलाधिकारी द्वारा जलालपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपस्थित बैनामेदारो को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर किया सम्मानित

संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा तहसील जलालपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपस्थित बैनामे दारो को माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। तहसीलदार जलालपुर द्वारा अवगत कराया गया कि किसान कतारू, सोना देवी,राम प्रसाद, शिव प्रसाद, कुश,गब्बर, तारा देवी, पंकज कुमार,संगम, संजना ने संयुक्त रूप से 2.69 हेक्टर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया जिनका कुल 2 करोड़ 60 लाख 89 हजार 584.92 रुपए का भुगतान किया गया। चुन्नर द्वारा .240 हेक्टेयर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया । इन्हें 36 लाख 35 हजार 280 रुपए भुगतान किया गया। नरेंद्र बहादुर द्वारा .045 हेक्टेयर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया। इन्हें 5 लाख 94 हजार रुपए का भुगतान किया गया।दुर्गावती द्वारा.163 हेक्टेयर भूमि का बैनामा औद्योगिक कॉरिडोर के पक्ष में किया गया। इन्हें 21लाख 51हजार 600 रुपए का भुगतान किया गया।इन सभी किसानों द्वारा अंबेडकर नगर औद्योगिक कॉरिडोर में दी गई भूमि के लिए दिए गए सहयोग के प्रति जिलाधिकारी द्वारा सभी किसानों का आभार व्यक्त किया गया।

डीएम ने किया बाढ़ कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण, कंट्रोल रूम में लगे सभी विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों को मुस्तैद रहने का दिया निर्देश

बाढ़ कंट्रोल रूम में आने वाली समस्याओं/शिकायतों का करे प्राथमिकता के साथ निस्तारण - डीएम

संवाददाता

बलरामपुर। डीएम पवन अग्रवाल द्वारा बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य के लिए कलेक्ट्रेट में स्थित बाढ़ कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया गया । इस दौरान उन्होंने कहा कि रोस्टर वार बाढ़ बचाव एवं राहत कार्य से संबंधित विभागों के जिन अधिकारियों ध् कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है वहां पूरी तरह से सक्रिय रहते हुए कंट्रोल रूम में आने वाले कॉल उठाते हुए शिकायत/समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करेंगे। सभी शिकायतों/समस्याओं के निस्तारण का रजिस्टर बनाएंगे एवं उसकी मेंटेन करना सुनिश्चित करेंगे उन्होंने कहा की बाढ़ राहत एवं बचाव कार्य में लगे विभाग आपस में बेहतर समन्वय रखेंगे । जिलाधिकारी ने बताया है कि किसी सिविक समस्या, जलभराव, वृक्षपातन या बाढ़ राहत आदि की समस्या में कलेक्ट्रेट में संचालित जनपद स्तरीय इन्टीग्रेटेड कन्ट्रोल कमाण्ड सेन्टर के नम्बर 9170277336, 8960010336, 05263-236250 तथा टोल फ्री नम्बर 1077 पर सम्पर्क कर मदद ले सकते हैं। इसके अलावा तहसील बलरामपुर के कन्ट्रोल रूम नम्बर 05263-234024, तहसील तुलसीपुर के कन्ट्रोल रूम नम्बर-9400696224, तहसील उतरौला के कन्ट्रोल रूम नम्बर-7991441311, 954416061 व 05265252469 पर कॉल की जा सकती है। इसी प्रकार बाढ़ या तटबंधों की कटान सम्बन्धी सूचनाओं एवं सहायता के लिए बाढ़ खण्ड बलरामपुर द्वारा भी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। बाढ़ खण्ड के कन्ट्रोल रूम के हेल्प लाइन नम्बरों 05263-232283 अथवा 7706881121 पर कॉल करके मदद ली जा सकती है। बाढ़ के दौरान लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में भी कन्ट्रोल स्थापित किया गया है। सीएमओ ऑफिस के कन्ट्रोल रूम न0- 7704995639 एवं 9838616121 अथवा एम्बुलेन्स सेवा 108 कॉल पर सम्पर्क कर मदद ली जा सकती है।

नाले-नालियों पर कब्जाकर बने मकान

कृष्णा नगर वाशिंदो को बारिश में होगी जल भराव की समस्या

संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद सुगम आवागमन और बेहतर जलनिकासी के साथ शहर को बाढ़ से मुक्ति प्रदान करने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है, लेकिन अभी भी यह अभियान अधूरा सा लगता है। शहर के अधिकतर हिस्से की महत्वपूर्ण नाले व नालियों पर पक्का निर्माण कर लिया गया है। कहीं दुकानें बना ली गई हैं तो कहीं पर मकान का निर्माण हो गया है। जिससे नाले और नालियां संकरी हो गई हैं।अतिक्रमण के चलते आज वे नाले पांच से दस फीट में सिकुड़ गए हैं। यही हालात प्रमुख व अन्य मार्गों के किनारे बनी नालियों का भी है। इन्हें कवर कर इन पर पक्का निर्माण हो गया है। जीएन रोड के समानांतर बनी नालियों को ढंककर उन पर निर्माण कर लिया गया है। गंदेनाले पर जगह-जगह अतिक्रमण है। शहर के कृष्णानगर मोहल्ला में जलनिकासी के तनिक भी इंतजाम नहीं है। बदइंतजामी के चलते यह मोहल्ला तकरीबन हर साल बारिश में डूब जाता है। यहां की प्रमुख सड़कों और गलियों में महीनों पानी भरा रहता है। यही नहीं बरसाती पानी घरों में भी घुस जाता है। जिस कारण अधिसंख्य परिवारों की गृहस्थी बरसाती पानी में डूबकर तबाह हो जाती है। कृष्णा नगर के लोगों को इस समस्या से जूझते बरसों हो चुके हैं, बावजूद इसके जिम्मेदार इस समस्या से निजात दिला नहीं पाए। ऐसा नहीं है कि इससे निजात दिलाने के लिए सरकारी मशीनरी और जनप्रतिनिधियों ने प्रयास नहीं किए। इसे लेकर सीवर लाइनें बिछाने की खूब कवायदें चली, मगर वो धरातल पर उतरने के बजाए कागजों पर ही चलती रही। नतीजतन, आज भी जनपद मुख्यालय के कृष्णा नगर मोहल्ले के वाशिंदों की समस्या जस की तस है। लोगों द्वारा जिलाधिकारी जिला मुख्यालय अम्बेडकर नगर के कृष्णानगर कालोनी में बहने वाला प्रमुख नाले से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से अवगत कराया और बताया बरसात के मौसम में कृष्ण नगर कालोनी में रहने वाले तमाम घरों का दूषित पानी बहता है ।जो कि बरसात के मौसम में जल निकासी का प्रमुख स्रोत है।जहाँ इस समय गन्दा पानी जगह जगह इकठ्ठा हो गया है।जिसकी सफाई करवाया जाना अतिआवश्यक है।जिसकी सूचना मोहल्ले के लोगों द्वारा अधिशासी अधिकारी नगरपालिका अकबरपुर को दी गई ।परन्तु महोदया द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। मोहल्ले के वासिंदो ने जिलाधिकारी से निवेदन किया है कि । जनहित में अतिशीघ्र सम्बंधित अधिकारी महोदया को निर्देशित करने की कृपा करें।जिससे कालोनी निवासियों को डेंगू व अन्य महामारी से बचाया जा सके।

भाजपा के सभासद को प्राइमरी के खेल शिक्षक ने जड़ा थप्पड़, दी गाली गलौज व जान से मारने की धमकी

संवाददाता, सुलतानपुर। मामला कोतवाली नगर के चौक घंटाघर वार्ड 24 के भाजपा सभासद दिनेश चौरसिया से जुड़ा है।उनका आरोप है कि वे शनिदेव मंदिर से दर्शन कर घर जा रहे थे।देखा कि पंच रास्ते पर होर्डिंग लग रही थी।जिसमे सभासद की फोटो नही थी।इसी बीच रुक गए कुछ कहा सुनी होने लगी।आरोपी खेल शिक्षक राहुल तिवारी समेत कुछ लोगो ने कहा कि इसमें वर्तमान सांसद जी की फोटो लगनी चाहिए।सभासद ने तहरीर में कहा है कि नशे में मौजूद प्राइमरी शिक्षक ने मुझे मारा पीटा व गाली गलौज करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी है।फिलहाल कोतवाली में पुलिस ने मुकदमा एक तरफा दर्ज कर लिया है।

बारिश में बिजली गुल उमस से बिलबिल रहे हैं सादुल्लानगर क्षेत्र वासी

संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)। बिजली सप्लाई और कटौती के चक्रव्यूह में आमजन में त्राहि-त्राहि मची हुई है जिस सम्बन्ध में विधुत विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी सही सूचना देने में कन्नी काट रहे हैं। विधुत उपकेंद्र अचलपुर चौधरी पर विगत एक हफ्ते पूर्व एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि विधायक उतरौला रामप्रताप वर्मा और सांसद प्रतिनिधि कमलेश पाण्डेय के साथ विभाग के आला अधिकारी अधीक्षण अभियंता बालकृष्ण, अधिशासी अभियंता विश्वास कुमार की मौजूदगी में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया गया कि अचलपुर चौधरी उपकेंद्र अब मील का पत्थर साबित होगा जिसे सीधा मनकापुर से 33000 लाइन से जोड़ दिया गया परन्तु जिस प्रकार लाइन को जोड़ने और भरपूर सप्लाई के कसीदे कुछ पढ़े गए सब उद्घाटन के दूसरे दिन से दम तोड़ दिए। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से जयकारे की खुशियां बटोर कर सारी जिम्मेदारी उपकेंद्र पर तैनात कर्मचारियों के हवाले कर दिया और उसी दिन से उपभोक्ताओं को बस अंधकार ही मिल रहा है। उपभोक्ताओं आफ्ताब, इसरार अहमद, राजेश, कमलेश,राजू गुप्ता, दिलीप मौर्या, डाक्टर परवेज, नूर अशरफ कुलदीप मौर्या, सहित तमाम लोगों का यही दर्द है कि अब लाइट के दर्शन कब होंगे । आमजन में अनेकों चर्चाओं का बाजार गर्म है कि उक्त उपकेंद्र को सीधा मनकापुर से जोड़ने में सरकारी धन का बंदरबांट कर उपभोक्ताओं के साथ भद्दा मजाक किया गया। कर्मठ समाजसेवी और अधिवक्ता विवेक श्रीवास्तव, अध्यापक वेदप्रकाश आदि की मानें तो उक्त उपकेंद्र को जर्जर तारों और खम्भों के सहारे पुरानी घारीघाट मनकापुर से ऐन केन प्रकारेण जोड़ कर उद्घाटन समारोह आयोजित तो कर सारा श्रेय कुछ छुटभैय्ए नेताओं को मिल तो गया लेकिन इसकी तकनीकी बारीकियों को नजरंदाज करते हुए उच्चाधिकारियों ने भी कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जिसका परिणाम यह हुआ कि बस लोगों को व्हाट्सएप्प के माध्यम से ब्रेक डाउन, मनकापुर से सप्लाई फेल ,कहीं खम्भे गिरने और उस पर काम प्रगति पर है के संदेशों से अपने रात दिन को कोसते बीत रही है । जब यदा कदा इसकी शिकायत से उच्चाधिकारियों को अवगत कराने की कोशिश की जाती है तो उसे कोई सम्पर्क नहीं हो पाता जिससे उपभोक्ताओं में अब असंतोष और रोष चरम पर पहुंच गया है।

सम्पादकीय

पुराने ढर्रे पर भाजपा

2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिकालोकसभा चुनाव में धन और बाहुबल पर अंकुश लगाना चुनौतीपूर्ण 18वीं लोकसभा के नये-नवेले सत्र का अवसान हो गया है। लोकसभा का 2 जुलाई तथा राज्यसभा का बुधवार को अनिश्चित काल के लिये सत्रावसान हो गया। दोनों ही सदनों में विभिन्न विषयों पर चर्चाएं हुईं और पहले के मुकाबले कहीं अधिक मजबूती के साथ खड़े हुए विपक्ष ने जिस प्रकार से सरकार को घेरा, उससे साफतौर पर विचलित होते हुए दिखने वाले प्रधानमंत्री मोदी अपने पुराने ढर्रे पर ही लौट आये हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण के विभिन्न पहलुओं और कई ज्वलंत मुद्दों पर उठाये सवालों से बचकर निकलते हुए श्री मोदी फ़िर से अपनी उन्हीं रणनीतियों के सहारे यह सत्र निकाल ले गये। 2014-19 एवं 2019-24 के अपने पिछले दो कार्यकाल के बाद मोदी जिस प्रकार से खुद के बलबूते बहुमत पाने के ध्वस्त स्वप्नों के साथ तीसरी बार पीएम बनकर लौटे, उससे आशा यह थी कि वे नयी शुरुआत करेंगे। एक ऐसा आगाज जिससे पुराना सारा कसैलापन धुल जाये तथा ऐसा सकारात्मक व्यवहार जो समावेशी राजनीति का नूतन सवेरा देखे। सरकार के दो क्षेत्रीय पार्टियों के सहारे टिके होने के बावजूद मोदी ने अभिभाषण पर अपना जवाब देते हुए जैसे भाषण किये, उससे जाहिर हो गया कि उनका रवैया बदलने वाला नहीं है। सवाल यह भी है कि जब इस सत्र में ही यह साबित हो चुका है कि अल्पमत में होने के बाद भी मोदी अपनी भारतीय जनता पार्टी की कट्टरता को नहीं छोड़ने जा रहे हैं, तो उनके दोनों प्रमुख समर्थक दल- आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी और बिहार की जनता दल (यूनाइटेड) के आगे क्या रास्ता रह जाता है? यह भी कि, इन दोनों दलों के प्रमुख- चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार भाजपा के चिर-परिचित हिन्दुत्ववादी विमर्श के बीच अपनी क्रमशरू धर्मनिरपेक्षता व सामाजिक न्याय की नीति को कैसे बचाएंगे? संसद का सत्र प्रारम्भ हो, उसके पहले मोदी ने मीडिया के समक्ष जब अपने विचार रखे थे, तभी यह एहसास हो गया था कि मोदी बहुत नहीं बदले हैं। तो भी एक आशा बनी हुई थी कि जब वे सदन के भीतर जायेंगे तो अपनी कमजोर स्थिति को वे जरूर महसूस करेंगे। तब शायद उनका रवैया बदलेगा। हालांकि भाजपा ने स्पीकर पद के लिये सहमति की बजाये टकराव का मार्ग चुना तभी से यह धारणा बनती चली गयी कि मोदी समावेशी राजनीति की अवधारणा से अभी भी दूर हैं। अलबत्ता राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान जब विपक्षी नेताओं के हमले हो रहे थे, तब पहली बार प्रधानमंत्री को इतने लम्बे समय तक सदन में बैठे देखा गया। बीच में कुछ मर्तबा वे उठे, अपनी टिप्पणियां भी दीं परन्तु एक शालीन सांसद की भांति वे बर्ताव करते दिखे। जब उनकी बारी आई तो सब कुछ बदल गया। दो घंटे से अधिक समय तक लोकसभा के भीतर दिया उनका भाषण बतला गया कि मोदी का अहंकार तो गया ही नहीं, उका नैरेटिव भी वही है जिसके बल पर वे अब तक अपनी राजनीति करते आये हैं। दोनों ही सदनों में अभिभाषण पर जवाब देते हुए पीएम ने पहले की ही तरह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और अपनी सहूलियत के अनुसार चीजों को व्याख्यायित किया। मसलन, उन्होंने भाजपा व अपने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस की इस चुनाव में बड़ी जीत बतलाई- इस तथ्य को आसानी से भुलाते हुए कि पहले के 303 सांसदों के मुकाबले अब भाजपा 240 पर सिमट गयी है, उसका 370-400 पार का नारा धज्जियां बनकर हवा में उड़ चुका है। इसके विपरीत उन्होंने कांग्रेस व सहयोगी गठबन्धन श्इंडियाश् की चुनावी सफ्लता को बड़ी पराजय साबित करने की कोशिश की। कांग्रेस की सदस्य संख्या तकरीबन दोगुनी हो जाने या अपने खिलाफ बने व सामने दिख रहे एक मजबूत विपक्षी गठबन्धन को भी वे प्रतिपक्ष की नाकामी सिद्ध करते रहे।

गर्मी से गहराता संकट

भारत का साल 2024 पिछले 15 वर्षों में सबसे तीव्र और सबसे अधिक गर्मी वाले दिनों का वर्ष बन गया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरप्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल, मध्यप्रदेश, झारखंड और बिहार में अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस अधिक था। आधिकारिक आंकड़ों के हिसाब से 25000 से अधिक हीटस्ट्रोक की घटनाएं और करीब 60 लोगों की मौतें हुई हैं। इन आंकड़ों में मतदान के दौरान भीषण गर्मी से होने वाली चुनाव कर्मियों की मौतें शामिल नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार केवल अंतिम चरण के मतदान में 33 चुनाव कर्मियों की मौतें हुई थीं। ये आधिकारिक आंकड़े हैं, असली संख्या इससे कई गुना अधिक हो सकती है। लेसेंट प्लेनेटरी हेल्थ की स्टडी के अनुसार वर्ष 2000 से 2019 के बीच दक्षिण एशिया में हर साल गर्मी से एक लाख दस हजार से अधिक मौतें हुई हैं। वैज्ञानिक गर्मी के प्रभाव को तापमान और नमी के हिसाब से देखते हैं। तेज गर्मी और हवा में नमी की मात्रा बढ़ जाए तो यह इंसान के लिए मारक हो जाता है। पिछले 100 सालों में भारत में धरती का तापमान लगभग 0.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यहां गर्मी के कारण 2030 तक श्रमिकों के काम के घंटे कम होने से श्सकल घरेलू उत्पादश् (जीडीपी) को 2.5 - 4.5 प्रतिशत तक नुकसान का खतरा रहेगा। यह 12 लाख करोड़ रुपए से 20 लाख करोड़ रुपए के बीच हो सकता है। भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को बढ़ते तापमान ने झकझोर दिया है। पिछले वर्षों में दुनिया के कई देशों में रेकार्ड- ब्रेकिंग तापमान दर्ज किए गए हैं। जैसे - जुलाई 2022 में इंग्लेंड में पहली बार तापमान 40 डिग्री पार कर गया तो चीन के उत्तर- पश्चिम के एक छोटे शहर में पिछले साल 52 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। यह चीन में अब तक का सबसे अधिक दर्ज तापमान है। 2021 में इटली के सिसली में 48.8 डिग्री तापमान था जो यूरोप में अब तक का सबसे अधिक तापमान था। इस साल हज के दौरान कम-से-कम 645 हज यात्रियों की मौत हीटवेव से हो चुकी है जिसमें 68 भारतीय हैं। सउदी अरब राष्ट्रीय मौसम विज्ञान के अनुसार 17 जून 2024 को मक्का की श्ग्रेंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री तक पहुंच गया था। दूसरी ओर नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक महासागर में 2030 तक ग्रीष्मकालीन समुद्री बर्फ पूरी तरह गायब हो सकती है, यानि अगले सात साल में गर्मियों में इस महासागर में बर्फनजर नहीं आएगा। आर्कटिक बर्फपृथ्वी की इम्युनिटी है, ये नहीं रही तो ग्लोबल ईको सिस्टम बिगडेगा। ग्लोबल वार्मिंग से हिमालय के ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार 15 प्रतिशत तक बढ़ रही है जिससे बर्फीली झीलों पर खतरा बढ़ रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण झीलें साल-दर-साल पिघल रही है। कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश की 28043 ग्लेशियर झीलों में से 188 झीलें कभी भी तबाही का बड़ा कारण बन सकती हैं। इससे लगभग तीन करोड़ की आबादी पर बडा संकट मंडरा रहा है। 2023 में सिक्किम में लहोनक ग्लेशियर झील फ्टने से 180 लोगों की मौत और लगभग 5000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। 2021 में उतराखंड नीति-घाटी की बड़ी ग्लेशियर झील फ्टने से 205 लोगों की मौत और लगभग 1500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। क्लाइमेट ट्रेंडसश की प्रबंध निदेशिका आरती खोसला के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान से सूखे की स्थिति पैदा होगी जिससे मीठे पानी के महत्वपूर्ण स्रोत प्रभावित होंगे। इसी वर्ष के अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार देश के 150 मुख्य जलाशयों की मानीटरिंग में पता चला है कि इनमें 39.765 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है जो कुल भंडारण क्षमता का सिर्फ22 प्रतिशत है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में लोग भीषण गर्मी के बीच पानी की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। टैंकरों से पानी भरने के लिए लम्बी कतारें देखी गई हैं। देश के 6,533 ब्लॉकों में से 27 प्रतिशत में भूगर्भ जल काफी नीचे, खतरनाक स्थिति तक पहुँच गया है। इसमें से 11 प्रतिशत डार्क जोन की श्रेणी में हैं। देश में भूगर्भ जल की सबसे खराब हालत राजस्थान में है। यहां 203 डार्क जोन हैं। 2048 तक दुनिया के औसत तापमान में 4 डिग्री बढ़ोतरी होने का अनुमान है। गर्मी बढ़ने से उर्जा की मांग बढ़ेगी, जिससे वायु प्रदूषण फैलेगा। इससे दुनिया में 70 लाख मौतें हो सकती हैं। गर्मी के कारण कृषि पैदावार में गिरावट आने से भुखमरी बढ़ेगी, अकाल जैसे हालात हो सकते हैं। - **(एजेंसी)**

पुलों का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फ़िर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फ्ल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी। जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता। ये पुल हादसें एवं ध्वस्त होने की घटनाएं बिहार में सरकारी भ्रष्टाचार के चरम पर होने को ही बल देती है। ऐसा नहीं है कि बिहार में ही ऐसे हादसें हो रहे हैं। गुजरात के मोरबी पुल हादसे को लोग अब भी नहीं भूले हैं। इस हादसे में 135 लोगों की मौत हो गई थी। सात साल पहले कोलकाता में विवेकानंद पुल के ढहने से 26 लोगों की मौत की घटना भी सबको याद होगी। सिर्फ बिहार में पुलों का यूं ढहते जाना ही चिंता की बात नहीं है, दूसरे तमाम राज्यों से भी चमचम सड़कों पर बनते गड्ढ़ों और नए निर्माण के दरकने की खबरें लगभग रोजाना सुर्खियां बटोर रही हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तमाम सार्वजनिक निर्माण में पारदर्शिता, ईमानदारी एवं आधुनिक स्थापित मानकों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और इसमें किसी किस्म की कोताही बरतने वाले की जिम्मेदारी तय हो। देश भर में तमाम पुराने पुलों की समीक्षा के साथ-साथ उनके रखरखाव या वैकल्पिक पुल के निर्माण को लेकर ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इतना तय है कि ये सभी पुल अगर भरभरा कर गिर रहे हैं तो इनकी डिजाइन गलत होने से लेकर उसमें उपयोग होने वाली सामग्री के घटिया होने का भी साफसंकेत है। लेकिन जिस तरह सरकार इन एवं ऐसे पुलों की गुणवत्ता और जोखिम का अध्ययन करा रही थी, क्या उसके निर्माण के दौरान या उससे पहले डिजाइन सहित उसके हर कसौटी पर बेहतर होने के लिए जांच कराना सुनिश्चित नहीं कर सकती थी? यह तय है कि इन पुलों के निर्माण में व्यापक खामियां थीं और वे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। सवाल है कि जब सरकार किसी कंपनी को पुल निर्माण की जिम्मेदारी सौंपती हैं, उससे पहले क्या गुणवत्ता की कसौटी पर पूरी निर्माण योजना, डिजाइन, प्रक्रिया, सामग्री, समय-सीमा और संपूर्णता को सुनिश्चित किया जाना जरूरी समझा जाता? देश में भ्रष्टाचार सर्वत्र व्याप्त है, विशेषत: राजनीतिक एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार ने देश के विकास को अवरूद्ध कर रखा है। यही कारण है कि पुल या दूसरे निर्माण-कार्यों के लिए रखे गए बजट का बड़ा हिस्सा कमीशन-रिश्वतखोरी की भेंट चढ़ जाता है। इसका सीधा असर निर्माण की गुणवत्ता पर पड़ता है। निर्माण घटिया होगा तो फ़िर उसके धराशायी होने की आशंका भी बनी रहती है। हादसों का एक बड़ा कारण जांच में दोषी और जिम्मेदार ठहराए गए अधिकारियों एवं ठेकेदारों के खिलाफसख्त कार्रवाई का न होना भी है। बिहार, दिल्ली, मुम्बई, गुजरात हादसों के दोषियों को बचाने के प्रयास भी सबके सामने हुए हैं। हर हादसे के बाद लीपापोती के प्रयास खूब होते हैं। हादसे में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा बांटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी समझने वाली सरकारों को इससे आगे बढ़ना होगा। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने की पारदर्शी नीति नियामक केन्द्र बनाने के साथ उस पर अमल भी जरूरी है। विकसित देशों में भी ऐसे हादसे होते हैं, लेकिन अंतर यह है कि भारत में ऐसे हादसों से सबक नहीं लिया जाता। यह प्रवृत्ति दुर्भाग्यपूर्ण है। विडम्बना देखिये कि ऐसे भ्रष्ट शिखरों को बचाने के लिये सरकार कितने सारे झूठ का सहारा लेती है। हादसों की जांच से काम नहीं चलने वाला। ऐसे निर्माण कार्यों में कमीशन-रिश्वतखोरी रोकने पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि जब ठेकेदार एक बड़ी राशि कमीशन के तौर पर दे देता है, तो फ़िर वह निर्माण कार्य में भी गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति लापरवाह हो जाता है। लापरवाही की परिणति ऐसे हादसों के रूप में सामने आती है। प्रगतिशील कदम उठाने वाले नेतृत्व ने अगर भ्रष्ट व्यवस्था सुधारने में मुक्त मन से सहयोग नहीं दिया तो कहीं हम अपने स्वार्थी उन्माद एवं भ्रष्टता में कोई ऐसा धागा नहीं खींच बैठें, जिससे पूरा कपड़ा ही उधड़ जाए। राजनीति के क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले में एक-दूसरे के पैरों के नीचे से फ्ट्टा खींचने का अभिनय तो सभी दल एवं नेता करते हैं पर खींचता कोई भी नहीं। रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। घोटालों और भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर आती है, फ़िर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? ऐसी व्यवस्था कब कायम होगी कि जिसे कोई रिश्वत छू नहीं सके, जिसको कोई सिफ़रिश प्रभावित नहीं कर सके और जिसकी कोई कीमत नहीं लगा सके। ईमानदारी अभिनय करके नहीं बताई जा सकती, उसे जीना पड़ता है कथनी और करनी की समानता के स्तर तक। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। तभी इन भ्रष्ट पुलों का भर-भराकर गिरना बन्द होगा। - **(एजेंसी)**

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे विपक्ष

नित्य चक्रवर्ती

18वीं लोकसभा का पहला छोटा सत्र अभी-अभी समाप्त हुआ है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने एक बार फ़िर यह आभास दिया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कुछ भी अलग नहीं हुआ है, तथा वह 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद की बहुमत वाली पार्टी भाजपा के वहीं अपराजित नेता बने हुए हैं। मोदी ने इस छोटे सत्र में विपक्ष के साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा उन्होंने पहले किया था और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के लिए लोकसभा में उनके जवाब ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह वही बहुसंख्यकों वाले नेता बने हुए हैं, न कि पूरे देश के प्रधानमंत्री। जो भी हो विपक्ष ने लोकसभा में अपनी आवाज वापस पाई जो एक सकारात्मक घटनाक्रम था। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्र दर्शन किया और प्रधानमंत्री की कमियों को उजागर किया। उन्होंने हिंदुओं और भाजपा के हिंदुत्व के बीच अंतर को भी उजागर किया। कांग्रेस नेता राहुल, तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा और समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में हावी रहे मुख्य मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया और यह दृश्य भी नया था कि लोकसभा में भाजपा के सदस्य, प्रधानमंत्री के लिए अपनी सामान्य मेज थपथपाने के बावजूद, अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में नहीं थे। वहां एक बेचौनी थी। अगला सत्र इसी महीने के तीसरे सप्ताह में शुरू होने वाला है। मुख्य ध्यान 2024-25 के पूर्ण बजट पर होगा, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय तथा एनडीए, विशेष रू प से भाजपा, पुनर्जीवित इंडिया ब्लॉक का सामना क रने में मदद क रने के लिए उपयोग क रना चाहता है। पीएमओ और पीएम के थिंक टैंक ने भाजपा द्वारा किये गये चुनाव के बाद की समीक्षा को ध्यान में रखते हुए बजट प्रस्तावों में सुधारात्मक उपाय करने के लिए कुछ क्षेत्रों की पहचान पहले ही क र ली है। सभी संकेतों से पता चलता है कि युवाओं को रोजगार, किसानों के मुद्दे और महिलाओं के लिए कुछ और सुविधाएं देना आदि नये कार्यक्रमों का मूल आधार होगा। भाजपा की समीक्षा से यह भी पता चला है कि देश के युवाओं ने पिछले चुनावों की तरह नरेंद्र मोदी के पक्ष में मतदान नहीं किया और रोजगार संक ट ने भाजपा के युवा वोट बैंक पर प्रतिकूल प्रभाव डाला। इंडिया ब्लॉक को यह याद रखना चाहिए कि नरेंदृ मोदी चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाले राजनेता हैं और अब वह एक घायल बाघ हैं। वह अपनी वर्तमान क मजोर होती स्थिति पलटने के लिए बेताब हैं और वह तथा उनकी भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष को परास्त करके ही ऐसा कर सकते हैं। भाजपा आलाकमान ने पहले ही अग्रिम तैयारियां कर ली हैं और महाराष्ट्र को छोड़ कर उनका कार्यक्रम सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। भाजपा नेतृत्व की ओर से प्रधानमंत्री स्वयं तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं। कुछ कारणों से गृहमंत्री अमित शाह लो प्रोफ़इल रख रहे हैं। हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में 2024 के अंत तक और दिल्ली और बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं। पहले चरण में, लोकसभा चुनाव परिणामों के आधार पर, इंडिया ब्लॉक लाभप्रद स्थिति में है। महाराष्ट्र में एमवीए द्वारा लोकसभा चुनावों में शानदार जीत के बाद, गठबंधन ने विधान परिषद चुनावों में भी नयी जीत दर्ज की। महाराष्ट्र के बारे में सबसे खास बात यह है कि इंडिया गठबंधन के साझेदारों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर पहले से ही सहमति बन चुकी है-कुल 288 सीटों में से 96-96 सीटों पर चुनाव लड़ने की। कांग्रेस ने 2024 कीलोकसभा चुनावों में साझेदारों के बीच सबसे अधिक सीटें हासिल करने के बावजूद अधिक सीटों पर जोर न देकर राष्ट्रीय विपक्ष के मुख्य नेता के रूप में परिपक्वता दिखाई है। यह शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और राहुल गांधी के बीच सही समझ के कारण संभव हुआ है। एमवीए की आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में शानदार जीत की संभावना अब साफ है,बशर्ते चुनावों से पहले एमवीए द्वारा अंतिम समय में कोई गड़बड़ी न की जाये। हरियाणा और झारखंड में भी इंडिया ब्लॉक के लिए स्थिति समान रू प से सक ारात्मक है। मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद हरियाणा में भाजपा नेतृत्व मुश्किल में है। 2024 के लोक सभा चुनावों में दस में से 5 सीटें हासिल क रने में सफलता के बाद कांग्रेस संगठन को बड़ा बढ़ावा मिला है। भूपेंद्र हुड्डा उन असंतुष्ट कांग्रेस क ार्यकर्ताओं को संगठित क रने में सफ्ल रहे हैं जो पहले पार्टी छोड़ने की सोच रहे थे। कांगेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और एआईसीसी सचिव प्रियंक ा गांधी ने कांग्रेस क ार्यक र्ताओं में एकता बहाल करने के लिए क ड़ी मेहनत की। कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक रूप से भाजपा से मुकाबला करने की स्थिति में है। लोकसभा चुनाव में आपके साथ उसकी सहमति,बातचीत के आधार पर विधानसभा चुनाव में भी जारी रह सकती है। हालांकि, आपके समर्थन के बिना भी कांग्रेस अब अपने बल पर जीतने की स्थिति मे है। झारखंड में भी भाजपा की तीन लोक सभा सीटों क ी हार के बाद, राज्य विधान सभा चुनाव के नजदीक आते ही इंडिया ब्लॉक का बोलबाला बढ़ गया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता हेमंत सोरेन जमानत पर रिहा हो गये हैं, और फ़िर मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। पांच महीने बाद उनके जेल से रिहा होने से आदिवासियों में व्यापक प्रभाव पड़ा है। हेमंत बड़े पैमाने पर प्रचार कर रहे हैं और वे आदिवासियों तथा उनके अधिकारों की रक्षा करने वाले नेता के रूप में उभरे हैं। झारखंड में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वामपंथी दलों, खासकर भाकपा (माले) लिबरेशन के बीच अच्छी समझ है,जिसका राज्य के कई इलाकों में सक्रिय आधार है। हेमंत के प्रियंका और राहुल के साथ अच्छे समीकरण हैं। उम्मीद है कि जल्द ही सीट बंटवारे की बातचीत शुरू होगी और सहमति बन जायेगी। भाजपा मौजूदा झामुमो सरकार को हटाकर झारखंड को वापस पाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी, लेकिन हेमंत की रिहाई के बाद अब इंडिया ब्लॉक भी उतना ही मजबूत है। अगर इंडिया ब्लॉक 2024 में तीन राज्यों के विधान सभा चुनावों में एनडीए और भाजपा की हार का कारण बन सकता है,तो 2025 में राजनीतिक स्थिति में एक उत्प्रेरक परिवर्तन होगा। उस साल फ़रवरी तक दिल्ली में चुनाव हो जायेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में क ा ंग्रेस के साथ गठबंधन न होने के बावजूद,आप 2020 के विधानसभा चुनावों की तरह भाजपा को हराने की स्थिति में होनी चाहिए। अगर इंडिया ब्लॉक इन चारों चुनावों में जीत हासिल कर लेता है, तो विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार को एक निष्क्रिय सरकार में बदल सकता है। बिहार में 2025 के अंत तक विधान सभा चुनाव होने हैं। हालांकि अभी एनडीए लोक सभा चुनाव के बाद आरामदायक स्थिति में है, लेकिन राज्य विधानसभा क ा प्रदर्श न अलग हो सक ता है। राजद नेता तेजस्वी यादव लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। वे राज्य में भाजपा विरोधी ताकतों क ो एकजुट करने वाले के रूप में उभरे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हैसियत पहले ही कम हो चुकी है। बिहार को विशेष राज्य घोषित करने की उनकी मांग को अभी भी पीएम मोदी की मंजूरी नहीं मिली है। विधानसभा चुनाव से पहले 2025 तक एनडीए में स्थिति खराब हो सकती है। इंडिया ब्लॉक ने भाजपा को लोकसभा चुनाव के बाद सरकार बनाने का मौका दिया है। अल्पमत वाली भाजपा के पास केवल 240 सीटें हैं-बहुमत के आंक ड़े से 32 क म। विधानसभा में जीतने क ी स्थिति में इंडिया ब्लॉक अन्य 52 सदस्यों का समर्थन हासिल कर सकती है, जिनमें से ज्यादातर एनड ीए से हैं, खासक र 16 सदस्यों वाली टीडीपी और 12 सदस्यों वाली जेडी(यू)। ये दोनों ही दल वैचारिक रू प से भाजपा से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि इनक ा इंडिया ब्लॉक से अधिक समानता है। राजनीति संभवनाओं की कला है। भाजपा से मुकाबला करने के लिए इंडिया ब्लॉक को अगले पांच साल अर्थात 2029 तक इंतजार नहीं करना चाहिए।इस साल तीन विधान सभा चुनावों के बाद स्थिति में बदलाव आना तय है। इंडिया ब्लॉक को जन मुद्दों के स्तर पर और मोदी के अस्थायी सहयोगियों के स्तर पर काम करना होगा। अगर राजनीतिक स्थिति अनुकू ल होती है, तो इस का पूरा फ ायदा उठाया जाना चाहिए। इंडिया ब्लॉक जितना अधिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर बने रहने देगा, लोकतंत्र और संवैधानिक मानदंडों के लिए उतना ही बड़ा खतरा होगा। लोकतांत्रिक तरीकों से तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी को हटाने का कोई भी मौका नहीं गंवाना चाहिए। इंडिया ब्लॉक को यह बात स्पष्ट रूप से ध्यान में रखनी होगी।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट में

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुन: सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फ़िर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैकोंध्उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफ्लता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफ्लता पाई है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकोंध्करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फ़ायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंतत: देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। - **(एजेंसी)**

बैंगलोर के एकदम नजदीक हैं ये 5 फेमस हिल स्टेशन, ट्रेकिंग के लिए सबसे बेहतरीन

मानसून के सीजन में आप भी लेना चाहते हैं पहाड़ों का सुकून। तो आप भी घूम के आइए बैंगलोर के नजदीक इन हिल स्टेशन पर, यहां आपको काफी मजा आएगा। आइए जानते हैं कौन-से है ये हिल स्टेशन। भारत में बारिश का मौसम सचमुच जादुई है! यह साल का वह समय है जब पर्यटकों और स्थानीय लोगों का समान रूप से ठंडी हवा और सुखदायक जलवायु से स्वागत किया जाता है, जबकि भारतीय परिदृश्य चारों ओर बारिश की बूंदों से बिखरा हुआ होता है। झरनों का पानी भयंकर रूप से गर्जना करने लगता है, धूप से चूमते समुद्र तट पानी से भर जाते हैं, लहराती पहाड़ियां हरे रंग में चमकती हैं और कपासी बादल आकाश में घुमड़ते हैं, जिससे भारत की धरती स्वर्ग से कम नहीं हो जाती है। इसके अलावा आप भी मानसून के दौरान कहीं घूमने की सोच रहे हैं तो आप भी बैंगलोर के एकदम पास इन हिल स्टेशन को जरुर एक्सप्लोर करें।

स्कंदगिरी हिल्स

बैंगलोर से 62 किमी दूरी पर स्थित यह हिल स्टेशन बेहद ही खूबसूरत है। यहां पर आकर्षण का मुख्य केंद्र स्कंदगिरी हिल्स में पापागनी मंदिर और टीपू सुल्तान का किला मुख्य आकर्षण है। यह स्कंदगिरी हिल्स कर्नाटक में चिकबल्लापुर से करीब 3 किमी दूर स्थित है। दरअसल, ये शानदार हिल्स बेल्लारी रोड राष्ट्रीय राजमार्ग-7 हैदराबाद बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित है।

नंदी हिल्स

खूबसूरती के मामले में यह हिल स्टेशन और भी सुंदर है। मानसून के दौरान इस समय यहां पर्यटक सबसे ज्यादा आते हैं। यहां पर सुंदर रुप से सूर्योदय और मस्त मौसम की वजह से इस प्लेस को लोग सबसे ज्यादा पसंद करते हैं।

अंतरगंगे

ट्रैकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और गुफाओं के लिए सबसे फेमस है अंतरगंगे हिल स्टेशन। जुलाई के महीने में यह हिल स्टेशन खूबसूरती के मामले में चरम पर होता है। अंतरगंगे हिल स्टेशन कोलार शहर से लगभग 4 किलोमीटर और बंगलौर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित है। अंतरगंगे का मतलब है गहराई से निकलने वाली गंगा इस जलधारा की उत्पत्ति अभी भी एक रहस्य है।

शिवगंगा

इस मौसम में इस हिल स्टेशन पर घूमने का मजा ही अलग है। पहाड़ी की चोटी पर जाने के रास्ते में कई जगह से गंगा बहती है, जो खूबसूरत नजारे का आनंद देती हैं। अगर आप बैंगलोर के आस-पास रहते हैं, तो इस हिल स्टेशन पर जरुर घूमने जाएं।

मेलागिरी

बरसात के मौसम में यह हिल स्टेशन और भी खूबसूरत दिखता है। दुनिया के सबसे पुराने झरनों में से एक होगेनक्कल झरना यहां बसा है। लुभावने झरने के बाद यहां पर होगेनक्कल का सबसे आकर्षक स्थान मेलागिरी पहाडियां। यहां आप ट्रेकिंग भी कर सकते हैं।

ठंडा और गर्म पानी मिलाकर क्यों नहीं पीना चाहिए

जान लिया कारण तो अब से नहीं करेंगे यह गलती

भीषण गर्मी से लोगो का बुरा हाल हो रखा है। ऐसे में शरीर मे पानी की कमी न पड़ जाए इसका विशेष ध्यान देना पड़ता है। क्योंकि गर्मी के मौसम में ताजगी और ऊर्जा को बनाए रखने के पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन जरूरी है। लेकिन पानी को सही ढंग से पीए इस बात का भी विशेष ध्यान देना जरूरी है, कि हम पानी का सेवन सही ढंग से करे। चलिए जानते किसी को भी गर्म और ठंडा पानी एक-साथ मिलाकर क्यों नहीं पीना चाहिए

क्यों ठंडा और गर्म पानी मिक्स करके नहीं पीना चाहिए

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप फिज से पीने के लिए पानी निकालते हैं और फिर ज्यादा ठंडा होने पर उसमें गर्म पानी मिक्स कर लेते हैं। अगर हां तो इस आदत को बदल ले। बताया जाता है कि ठंडा पानी पचाने में भारी होता है,जबकि गर्म पानी हल्का होता है, जब दोनों एक साथ मिलते हैं तो अपच की दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा, गर्म पानी में बैक्टीरिया नहीं होते जबकि ठंडा पानी दूषित हो सकता है, इसलिए दोनों को मिलाने से गर्म पानी कफ को शांत करता है जबकि ठंडा पानी कफ को बढ़ाता है। पानी पीने का सही तरीका

मिट्टी के बर्तन का पानी सेहत के लिए अमृत समान है। यह साधारण रूप से पानी को ठंडा और शुद्ध रखता है। यहां तक कि यह पानी में मौजूद खनिजों को भी सुरक्षित रखता है। मिट्टी के बर्तन मे पानी पीना आयुर्वेदि के लिहाज से शरीर के लिए काफी अच्छा होता है। मिट्टी के बर्तन में रखे पानी में ऑक्सीजन भी आती-जाती रहती है जो पानी को ठंडा बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही यह पानी आपकी पाचन क्षमता को भी ठीक रखता है। कफ को बिना बढ़ाए आपके शरीर को ठंडा रखता है।

आलू से बनाए ये तीन हेयर पैक्स, झड़ेंगे भी नहीं और ग्रोथ होगी दोगुनी

बालो के झड़ने से आज हर कोई परेशान है। एसे मे आज हम आपके लिए झड़ते बालों के लिए आलू के रस से बने हेयर मास्क लेकर आए हैं। बालों में आलू का रस लगाने से आपकी स्कैल्प के टिशूज रिस्टोर और रिपेयर करने में मदद मिलती है। यहां जानिए, बालों के लिए आलू का हेयर मास्क कैसे बनाएं? मानसून की शुरुआत हो चुकी है, बदलते मौसम मे त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। इस मौसम में जरा सी लापरवाही का बुरा असर बालों पर पड़ता है और बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बालों पर नमी आ जाती है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी ज्यादा होती है, ऐसे में स्कैल्प जल्दी ऑयली हो जाती है। जिससे पसीने के साथ धूल और मिट्टी स्कैल्प पर जमने लगती है और इसके कारण बालों से जुड़ी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बालों को हेल्दी बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपनी डाइट में हेल्दी फूड्स को शामिल करें और बालों की देखभाल के लिए हेयर मास्क लगाएं। घर में आलू के इस्तेमाल से बालों के लिए हेयर मास्क आसानी से बनाया जा सकता है, जिससे बालों को पोषण मिलेगा और कई समस्याएं भी दूर होंगी। आलू एक ऐसी सब्जी है जोकि सेहत के साथ-साथ आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होती है।

ऐसे बनाएं आलू का हेयर मास्क

1.आलू और प्याज हेयर मास्क

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए 1 बड़ा आलू, 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और 1 प्याज चाहिए होगा। आलू और प्याज को कद्दूकस करें और फिर कपड़े से छानकर इसका रस अलग कर लें। इस रस में मुल्तानी मिट्टी डालकर हेयर मास्क का पेस्ट तैयार करें और फिर इसे स्कैल्प और बालों पर लगाएं। 20-30 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर माइल्ड शैंपू से बालों को धोएं। प्याज का रस बालों के विकास को बढ़ावा देता है और मुल्तानी मिट्टी स्कैल्प को साफ करती है। इस हेयर मास्क के प्रयोग से बालों का झड़ना कम हो सकता है।

2.आलू और अंडे का हेयर मास्क

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 1 बड़ा आलू, 1 अंडा और 2 चम्मच दही चाहिए होगा। हेयर मास्क बनाने के लिए सबसे पहले आलू को छीलकर कद्दूकस करें और फिर कपड़े की मदद से छानकर इसका रस अलग कर लें। इसके बाद एक कटोरी में आलू का रस, अंडा और दही मिलाकर एक पेस्ट जैसा मिश्रण तैयार करें। इस मिश्रण को बालों की जड़ों और स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर माइल्ड शैंपू के साथ ताजे पानी से धो लें। अंडे में प्रोटीन होता है जो बालों को मजबूती प्रदान करता है तो वहीं दही स्कैल्प को मॉइस्चराइज करता है और डैंड्रफ को कम करता है।

3.आलू और एलोवेरा का हेयर मास्क

रूखे बालों की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए आलू और एलोवेरा से बना हेयर मास्क लाभदायक साबित होगा। इसे बनाने के लिए 1 बड़ा आलू और 2 चम्मच एलोवेरा जेल चाहिए होगा। सबसे पहले आलू को कद्दूकस करके इसका रस निकालें और फिर आलू के रस में एलोवेरा मिलाएं। इस इस मिश्रण को बालों पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने पर बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं। एलोवेरा जेल स्कैल्प को हाइड्रेट करता है और बालों की ग्रोथ को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। आलू का हेयर मास्क लगाने के फायदे

1.हेयर ग्रोथ को बढाए

2.डैंड्रफ को खत्म करें

3.झड़ते बालों की समस्या को कम करें।

वर्किंग वुमन के लिए 5 बेस्ट हेल्थ केयर टिप्स

वर्किंग वुमन अक्सर अपनी बिजी लाइफ स्टाइल के कारण खाने पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। इससे उनकी हेल्थ पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। रोजमर्रा की बिजी लाइफस्टाइल में ज्यादातर महिलाओं को अपने लिए समय नहीं मिल पाता है। खासकर वीमेन के लिए घर और ऑफिस को संभालना काफी मुश्किल टास्क होता है।

हालांकि वर्किंग वुमन अगर चाहें तो कुछ आसान तरीकों की मदद से ना सिर्फ घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच में अपना खास ख्याल रख सकती हैं, बल्कि खुद को फिट और हेल्दी भी बना सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि वर्किंग वुमन कैसे हेल्थ केयर टिप्स को रोजाना फॉलो करके अपनी हेल्थ को बेहतर बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इन हेल्थ केयर टिप्स के बारे में।

वर्कआउट या योगा के लिए समय निकालें

आपको वर्कआउट या योगा करने के लिए 30 से 40 मिनट तक के लिए समय जरूर निकालना चाहिए। योगा करना या फिर ध्यान लगाना सबसे अच्छी प्रक्रिया मानी जाती है इससे आप लंबे समय तक फिट रहती हैं और वर्कआउट करने से शरीर में ऊर्जा की एक प्रणाली भी बन जाती है। अगर आप बहुत अधिक समय योग या वर्कआउट के लिए नहीं निकाल पाती हैं तो आपको शुरुआत के दिनों में कम से कम 5 मिनट का समय निकाल कर योग या फिर वर्कआउट जरूर करना चाहिए।

भरपूर पानी पिएं

वर्किंग वुमन अक्सर काम में उलझ कर समय पर पानी पीना भी भूल जाती हैं। जिससे आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकती है। इसलिए काम के दौरान बीच-बीच में पानी जरूर पीएं। वहीं दिन में 8-10 गिलास पानी पीकर आप खुद को हाइड्रेट और एनर्जेटिक रख सकती है।

नींद है जरूरी

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपके शरीर के लिए नींद भी बहुत जरूरी है। जल्दी सोने के बाद अगर हम सुबह जल्दी उठ भी जाते हैं तब भी हमारी नींद पूरी हो जाती है। एक्सपर्ट का कहना है कि शहमें जितने घंटे की नींद लेनी चाहिए उतने घंटे की नींद हमारे शरीर को जब मिल जाती है। जिससे हमारे शरीर की विभिन्न प्रक्रियाएं भी सही ढंग से होती हैं। समय पर सोने और समय पर उठने से ना सिर्फ शारीरिक लाभ मिलते हैं बल्कि इससे कई मानसिक लाभ भी मिलते हैं।

रिलैक्सिंग थेरेपी ट्राई करें

वर्किंग वुमन को काम के दौरान अक्सर थकान महसूस होने लगती है। ऐसे में आप काम से 20 सेकंड का ब्रेक लेकर आंखों को रिलैक्स कर सकती है। साथ ही हर 20 मिनट बाद वॉक करके आप बैक पेन की तकलीफ से भी बच सकती हैं।

डाइट का रखें ध्यान

अगर आप हर रोज अपने काम को लेकर बहुत अधिक बिजी रहती हैं तो आपको भूख लगने पर जंक फूड खाने की जगह फल, न्यूट्रिएंट्स रिच चीजों को ही खाना चाहिए। इससे आपको शरीर में पोषण की कमी नहीं होगी और आप फिट और हेल्दी भी रहेंगी।

बारिश स्पेशल डाइट प्लान, जो आपको बीमारी से रखेगा कोसों दूर

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा चिंता रहती है सेहत है, इस दौरान कई बीमारियां पनपने लगती हैं। इस सब से बचने के लिए जरूरी है कि आप अभी से सावधानी बरतना शुरू कर दें। आयुर्वेद के अनुसार बारिश में वात दोष उतेजित हो जाता है और साथ ही पित्त दोष भी बढ़ रहा होता है। ऐसे में बारिश के दिनों में आपकी पाचन शक्ति भी कमजोर हो जाती है। तो चलिए आज जानते हैं। इस मौसम की मार से बचने के लिए डाइट में क्या- क्या करना चाहिए शामिल।

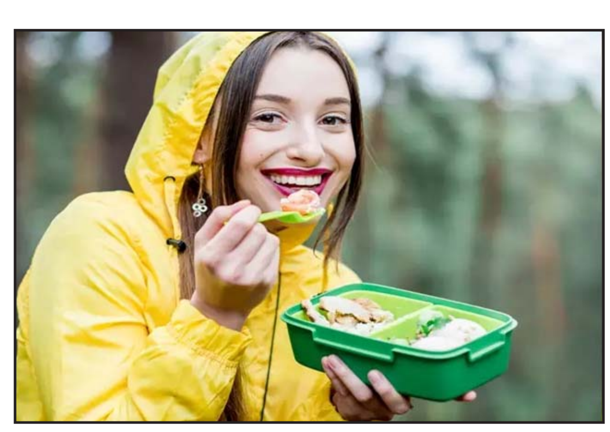

एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस पैनक्रिया की सेल्स को हेल्दी रखने में मदद करता है। यह इंसुलिन लेवल को भी बढ़ाता है, जो ब्लड शुगर को कम करने में लाभदायक है। चन से जुड़ी समस्याएं खासकर कब्ज से लड़ने में एलोवेरा बेहद असरदार है।

दही और छाछ

बारिश के मौसम में प्रोबायोटिक्स जैसे दही, छाछ और फर्मेंटेड फूड्स को डाइट में शामिल करें। ये गट हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

ताजे फल

बारिश के मौसम में ताजे फल और सब्जियां खाना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप लौकी, तोरी, भिंडी, परवल और करेला जैसी सब्जियों को डाइट में शामिल कर सकते हैं। सीजनल फल जैसे सेब, नाशपाती, अनार और चेरी भी आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है

पपीते के पत्ते का जूस

आप मौसमी बीमारियों के कहर से बचने के लिए पपीते के पत्ते का जूस पी सकते हैं। इसमें विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। विटामिन-सी आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है। पपीते के पत्ते के रस का सेवन करके आप वायरल बीमारियों से बच सकते हैं।

हल्दी वाला दूध

हल्दी को आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीसेप्टिक और एंटी-बायोटिक के गुण पाए जाते हैं और दूध को कैल्शियम का अच्छा सोर्स माना जाता है। इस मौसम में हल्दी वाला दूध पीने से इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है।

डिनर होना चाहिए ऐसा

ब्रेकफास्ट में ब्लैक टी के साथ पोहा, उपमा, इडली, सूखे टोस्ट या परांठे ले सकते है। लंच में तले-भुने खाने की बजाय दाल व सब्जी के साथ सलाद और रोटी लें। डिनर में वेजीटेबल, चपाती और सब्जी लें।

बरसात में गीले बालों को बांधने से हो सकती हैं ये समस्या

फॉलो करें इन हेयर केयर टिप्स को

मानसून में बालों की एक्स्ट्रा केयर बेहद जरूरी है। इन दिनों में अगर आप भी बालों को बांधकर रखती हैं, तो इससे बालों को कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं। जानें गीले बालों को बांधने के नुकसान और उससे बचने के टिप्स। मानसून के दिनों में बार बार बारिश की फुहारों से गीले बालों की समस्या का सामना करना पड़ता है। दरअसल, बरसात के बाद मौसम में बढ़ने वाली ह्यूमिडिटी से बालों में दुर्गंध और मॉइश्चर एकत्रित होने लगता है, जो हेयर फॉलिकल्स को प्रभावित करता है। ऐसे में बालों की एक्स्ट्रा केयर करना बेहद जरूरी है। मानसून के दिनों में अगर आप भी बालों को बांधकर रखती हैं, तो इससे बालों को कई तरह के नुकसान झेलने पड़ते हैं। जानें गीले बालों को बांधने के नुकसान और उससे बचने के टिप्स भी। बारिश में बालों के भीगने के बाद बंधे हुए बालों में दुर्गंध, बैक्टीरिया और सीबम सिक्रीशन बढ़ने का सामना करना पड़ता है। बरसात का पानी बालों की जड़ों को कमजोर बनाकर भ्पत सिस का कारण साबित होता है। इस समस्या से राहत पाने के लिए हेयरवॉश और हेयर ऑयलिंग बेहद जरूरी है। साथ ही बालों को सुखाने के लिए हीटिंग टूल्स की जगह नेचुरल तरीके से सुखाने का प्रयास करें। जानते हैं मानसून में गीले बाल बांधने के नुकसान के बारे में।

1 बालों का टूटना और झड़ना

बरसात के मौसम में हवा में नमी का स्तर अधिक होता है। ये स्कैल्प के अलावा बालों के शाफ्ट पर पॉल्यूटेंटस और डस्ट पार्टिकल्स को जमा देती है। इसका प्रभाव हेयर फॉलिकल्स पर दिखने लगता है और उनमें कमजोरी बढ़ जाती है। इससे मानसून के दौरान बालों के झड़ने की समस्या का सामना करना पड़ता है।

2 चिपचिपाहट का बढ़ जाना

बरसात के पानी के संपर्क में आने से बालों में मॉइश्चर लॉक हो जाता है और स्कैल्प पर बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण इचिंग, दुर्गंध की समस्या और बालों में चिपचिपाहट बढ़ने लगती है। बालों को धोने के बाद भी बालों में स्टिकीनेस मौजूद रहती है।

इसके अलावा बालों में घुंघरालापन बढ़ जाता है।

3 स्कैल्प इचिंग

बारिश से न केवल बालों में गीलापन रहता है बल्कि स्कैल्प पर डेंड्रफ की समस्या भी बढ़ जाती है। ह्यूमिडिटी के चलते स्कैल्प का रूखापन डेंड्रफ का कारण साबित होता है। दरअसल, स्कैल्प पर स्किन सेल्स एकत्रित होकर फ्लेक्स का रूप ले लेते हैं, जो डेंड्रफ का कारण साबित होते हैं।

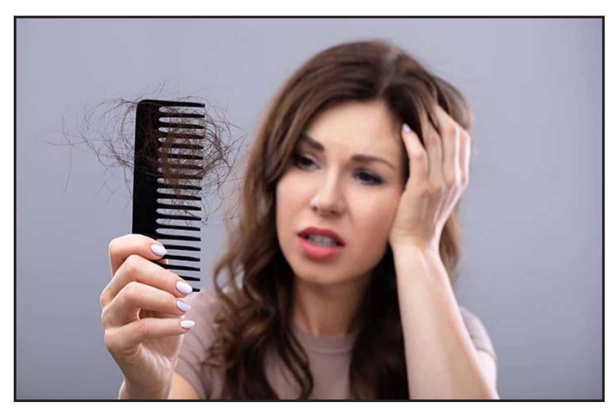

अब जानते हैं मानसून में कैसे करें बालों की केयर

1 गीले बालों को न बांधे

मौसम में मौजूद नमी से बालों का बचाव करने के लिए गीले बालों को बांधने से बचें। इससे हेयर फॉलिकल्स कमजोर हो जाते है और बालों का टूटना व झड़ने की समस्या से दो चार होना पड़ता है।

हेयरलॉस और मौसमी सर्दी खांसी से बचने के लिए बालों को गीला न रहने दें।

2 हेयरवॉश है जरूरी।

बारिश में बाल भीगने के बाद उन्हें बैक्टीरिया और डेंड्रफ से बचाने के लिए केमिकल युक्त शैम्पू की जगह नेचुरल शैम्पू का प्रयोग करें। इसके अलावा वे लोग जो ऑयली हेयर प्रॉब्लम से परेशान हैं, उन्हें जेल बेस्ट शैम्पू का प्रयोग करना चाहिए। इसके अलावा नेचुरल हेयर मास्क भी हेयर क्लीनिंग के लिए बेहद कारगर हैं। बालों को रोजाना धोने से बचना चाहिए, अन्यथा हेयरफॉल की समस्या बढ़ने लगती है।

3 बालों की मसाज करें

मॉश्चराइजिंग और एंटी बैक्टीरियन प्रॉपर्टीज से भरपूर नारियल के तेल को बालों पर लगाएं और कुछ देर मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन नियमित होने लगता है और बालों का रूखापन भी दूर होने लगता है। वे लोग जिन्हें फ्लेकी स्कैल्प का सामना करना पड़ता है, उनके लिए ये कारगर उपाय है। 30 मिनट तक बालों में तेल को अप्लाई करने के बाद नेचुरल शैम्पू से बालों को वॉश करें और माइंल्ड कंडीशनर अप्लाई करें।

महिला टी20 एशिया कप में भारत की अगुआई करेंगी हरमनप्रीत कौर

एजेंसी, मुंबई। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे। भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

रिजर्व - श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह।

(पीसीबी) को लग सकता है जोर का झटका

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया!

एजेंसी, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण में हिस्सा लेने के लिए अगले साल पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेन इन ब्लू आठ-टीम आईसीसी इवेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जो 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेला जाएगा। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत की पाकिस्तान यात्रा के बारे में कोई भी फैसला भारत सरकार द्वारा लिया जाएगा। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। पिछले 16 वर्षों में, केवल एक बार इन दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेली है, और वह 2012-13 में हुई थी। सूत्र ने बताया कि हालांकि टूर्नामेंट के विवरण पर अभी तक चर्चा नहीं की गई है, लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी। अंततः निर्णय भारत सरकार पर निर्भर है। हालाँकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मुद्दे को इस महीने श्रीलंका में होने वाली आईसीसी बैठक में उठाने की योजना बना रहा है। आगे कहा गया है कि इस मामले पर सरकार का निर्णय अंतिम होगा, क्योंकि हमने अभी तक आंतरिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। चूंकि यह एक आईसीसी इवेंट है, इसलिए हमारे पास कोई भी एकतरफा निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, अगली बैठक के दौरान अधिक विवरण सामने आ सकते हैं। भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। पिछले 16 वर्षों में, केवल एक बार इन दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेली है, और वह 2012-13 में हुई थी। भारत को पिछले साल एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाना था, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और फाइनल सहित भारत के मैच श्रीलंका में खेले गए। हालाँकि, भारत के पाकिस्तान दौरे को छोड़ने के फैसले के बावजूद, पाकिस्तान ने पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की और हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में मैच खेले। कुछ दिन पहले, यह बताया गया था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपना ड्राफ्ट प्रस्तुत किया था और लाहौर को सात, रावलपिंडी को पांच और कराची को तीन मैच सौंपे थे। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच 1 मार्च को लाहौर के प्रतिष्ठित गद्दाफी स्टेडियम में होगा।

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वाश चैंम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी, जोहोर। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चौम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये। एशियाई खेलों में टीम चौम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता। इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की। अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चौम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये। एशियाई खेलों में टीम चौम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया। वेलावन ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया। हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे।'' इस साल पद्म श्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, ''भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी। युगल से वापसी करना अच्छा मौका था ताकि मैं पीएसए टूर पर वापसी कर सकूं।

अंबानी परिवार ने मनाया टी20 विश्व कप जीतने का जश्न

अनंत-राधिका के संगीत में नजर आए वर्ल्ड चैपियंस

एजेंसी, समारोह में भाग लेने वाले परिवार, दोस्तों और मेहमानों सहित पूरे दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई और जोर-जोर से जयकार की, साथ ही भावुक दिख रही नीता अंबानी ने बताया कि यह जीत उनके लिए कितनी व्यक्तिगत है क्योंकि तीन दिग्गज भी उनकी मुंबई इंडियंस परिवार का हिस्सा हैं। भारत की टी20 विश्व कप 2024 की जीत के लिए पूरे देश में जश्न मनाया जा रहा है क्योंकि मेन इन ब्लू ट्रॉफी के साथ घर लौट आए हैं। गुरुवार को दिल्ली और मुंबई में उत्सव से भरे दिन के बाद, भारत के कप्तान रोहित शर्मा को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह के दौरान अंबानी परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। भारतीय कप्तान ने शुक्रवार, 5 जुलाई को टीम के साथी सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। एक वीडियो में, भारत के सितारों को उनके एमआई मालिकों नीता और आकाश अंबानी द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी मेहमान खड़े हुए और एक विशेष भाव के साथ खिलाड़ियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। पूरे हॉल में देशभक्ति की भावना व्याप्त हो गई क्योंकि सभी ने अपनी भुजाएँ हवा में रख दीं और उन्हें श्लहरा दोश् गाने की धुन पर बाएँ से दाएँ घुमाया। विशेष रूप से, इन तीनों खिलाड़ियों ने टीम इंडिया के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में भाग लेने वाले परिवार, दोस्तों और मेहमानों सहित पूरे दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई और जोर-जोर से जयकार की, साथ ही भावुक दिख रही नीता अंबानी ने बताया कि यह जीत उनके लिए कितनी व्यक्तिगत है क्योंकि तीन दिग्गज भी उनकी मुंबई इंडियंस परिवार का हिस्सा हैं। नीता अंबानी ने उल्लेख किया कि कैसे देश ने सांस रोककर और मुंह में दिल रखकर देखा कि कैसे भारतीय टीम ने लगभग असंभव स्थिति से जीत हासिल की। उन्होंने अपनी टिप्पणी के माध्यम से हार्दिक पंड्या के बारे में लोगों की भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त कियारू ष्कठिन समय नहीं रहता लेकिन कठिन लोग टिकते हैं। रोहित टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे क्योंकि उन्होंने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी। सलामी बल्लेबाज ने आठ पारियों में 36.71 की औसत और 156.70 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए, जिसमें उनके नाम तीन अर्द्धशतक भी शामिल हैं। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, क्रुणाल पंड्या, केएल राहुल और सर्वकालिक महान महेंद्र सिंह धोनी सहित मुंबई इंडियंस के कई साथियों और अन्य भारतीय क्रिकेटरों ने दर्शकों के बीच इन पलों का आनंद लिया। स्टार पेसर जसप्रित बुमरा, जो यात्रा कर रहे थे, उपस्थित नहीं हो सके।

इस पल का आनंद लेना और परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं : अर्शदीप

एजेंसी, भारत के बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का यहां अपने गृहनगर में नायक की तरह स्वागत किया गया जहां प्रशंसकों और परिवार के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाई, जुलूस निकाला और भांगड़ा किया।अर्शदीप ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं। मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।'' अर्शदीप के मुंबई से चंडीगढ़ पहुंचने पर स्वागत करते हुए उनके प्रशंसकों ने टीम इंडिया की जर्सी पहनी और तिरंगा लहराया।अर्शदीप ने हाल में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 17 विकेट लिए और अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर रहे। अर्शदीप ने खुली गाड़ी में यात्रा करते हुए पीटीआई वीडियो को बताया, ''मैं सभी प्रारूपों में खेलना चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं सिर्फ इस पल का आनंद लेना चाहता हूं और अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं।'' अर्शदीप ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं। मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।'' अर्शदीप के मुंबई से चंडीगढ़ पहुंचने पर स्वागत करते हुए उनके प्रशंसकों ने टीम इंडिया की जर्सी पहनी और तिरंगा लहराया।

भारत की युवा टीम पहले टी20 मैच में जिम्बाब्वे से 13 रन से हारी

एजेंसी, हरारे। शुभमन गिल की अगुआई वाली युवा भारतीय टीम बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण शनिवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कम अनुभवी जिम्बाब्वे से 13 रन से पराजित हो गई। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। पर उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों को काफी मुश्किल आयी जिसने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिये और पूरी टीम 19.5 ओवर में 102 रन पर सिमट गयी। हाल में टी20 विश्व कप जीतने वाले भारत ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों को उतारा था और उनके आसानी से जिम्बाब्वे पर जीत की उम्मीद थी। शुभमन गिल की अगुआई वाली युवा भारतीय टीम बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण शनिवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कम अनुभवी जिम्बाब्वे से 13 रन से पराजित हो गई। लेकिन जिम्बाब्वे ने तेज गेंदबाज टेंडाई चतारा (16 रन देकर तीन विकेट) और कप्तान सिंकदर रजा (25 रन देकर तीन विकेट) की बदौलत भारत को हराकर उलटफेर कर दिया। यह 2024 में भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली हार थी। यह आठ साल में जिम्बाब्वे के खिलाफभारत की पहली हार भी है। इस मैच में भारत ने तीन खिलाड़ियों को पदार्पण कराया। पदार्पण करने वाले अभिषेक शर्मा (शून्य) खाता भी नहीं खोल सके और पारी के पहले ही ओवर में ब्रायन बेनेट की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग पर वेलिंगटन मास्कादजा को कैच देकर आउट हुए। रूतुराज गायकवाड (07) ने नौ गेंद खेलकर एक चौका ही लगाया था कि ब्लेसिंग मुजारबानी की गुडलेंथ गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगकर इनोसेंट काइया के हाथों में समां गयी। चतारा ने रियान पराग (02) और रिंकू सिंह (शून्य) दोनों को पांचवें ओवर में आउट किया जिससे भारतीय टीम का स्कोर चार विकेट पर 22 रन हो गया। कप्तान शुभमन गिल (31 रन) एक छोर पर डटे थे और दूसरे छोर पर लगातार विकेट गिरते देख रहे थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल (06) के 10वें और कप्तान गिल के 11वें ओवर में आउट होते ही पूरे ओवर तक टिकने की उम्मीद भी खत्म हो गई। पर आवेश खान (16 रन) और वाशिंगटन सुंदर (27 रन) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़कर भारत को 84 रन तक पहुंचाया। अंतिम ओवर में भारत को 16 रन चाहिए थे और एक विकेट बाकी था जिसके गिरते ही पारी खत्म हो गई। इससे पहले बिश्नोई (13 रन देकर चार विकेट) को ऑफस्पिनर वाशिंगटन (11 रन देकर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला जिससे जिम्बाब्वे की टीम बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद उछाल भरी पिच पर कोई मजबूत साझेदारी करने में जूझती नजर आयी। जिम्बाब्वे ने हालांकि तेज शुरुआत की और पावरप्ले में उसने दो विकेट पर 40 रन बना लिये थे। इनोसेंट काइया के मुकेश कुमार की गेंद पर आउट होने के बाद वेस्ली मधेवेरे (21 रन) और ब्रायन बेनेट (22 रन) ने तेजी से 34 रन जोड़े। इन दोनों ने बायें हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद पर पांचवें ओवर में 17 रन जुटाये। बेनेट ने इसमें लगातार दो चौके जड़े जिससे ऐसा लग रहा था कि जिम्बाब्वे शुरूआती झटके से उबर रहा है। पर छठे ओवर में बिश्नोई ने बेनेट को अपनी गुगली पर आउट कर जिम्बाब्वे की पारी का रुख ही बदल दिया। फिर जिम्बाब्वे के तीन और बल्लेबाज पवेलियन लौट गये जिसमें मधेवेरे के अलावा ब्लेसिंग मुजारबानी और ल्यूक जोंगवे शामिल थे। कप्तान सिकंदर रजा (17 रन) के संयम से टीम ने संभलने की कोशिश की लेकिन लय खोने के कारण 41 रन पर छह विकेट गंवा बैठी। टीम में हड़बड़ाट साफ दिख रही थी। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कैंपबेल के बेटे जोनाथन कैंपबेल (शून्य) आवेश खान की गेंद को कवर्स की ओर भेजकर एक रन लेना चाहते थे और उनके साथी डियोन मायर्स भी तैयार थे। लेकिन कैंपबेल अचानक मन बदलकर रूक गये और रन आउट हो गये। अब जिम्बाब्वे की उम्मीदें कप्तान रजा पर लगी थीं, उन्होंने आवेश पर सिर के ऊपर से छक्का जड़कर उम्मीद जगाई। पर आवेश ने अतिरिक्त उछाल का पूरा फायदा उठाते हुए रजा को जल्द ही आउट कर दिया। रजा गेंद को सही तरह से टाइम नहीं कर सके और गेंद डीप में बिश्नोई के हाथों में पहुंच गयी। वाशिंगटन ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट झटके। उन्होंने मायर्स (23 रन) और वेलिंगटन मास्कादजा (शून्य) को पवेलियन भेजा। तमिलनाडु के इस गेंदबाज ने इस तरह टी20 में अपने 100 विकेट भी पूरे किये। क्लाइव मदांडे के नाबाद 29 रन की बदौलत जिम्बाब्वे 100 रन का आंकड़ा पार कर पायी।

CMYK

दीपिका पादुकोण ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत में पर्पल साड़ी पहन फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

मां बनने जा रही दीपिका पादुकोण अपने बेहतरीन मैटरनिटी फैशन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। वह मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में पहुंचीं, जहां वह एक शानदार साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। मॉम टू बी दीपिका पादुकोण अपने बेहतरीन मैटरनिटी फैशन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। वह मुंबई में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचीं, जहां वह एक शानदार साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। दीपिका ने शाम के लिए अपने पहनावे की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। उन्होंने बैंगनी रंग की साड़ी पहनी थी , जिसमें उनका बढ़ता हुआ बेबी बंप दिख रहा था, साथ ही उन्होंने खूबसूरत गोल्डन ज्वेलरी और स्लीक बन हेयरस्टाइल भी बनाया था। उन्होंने अपनी पोस्ट को कैप्शन दिया, बस...क्योंकि यह शुक्रवार की रात है और पार्टी करना चाहती है जिस पर, रणवीर सिंह ने जवाब दिया, हाय! मेरा खूबसूरत जन्मदिन का तोहफ ा! आई लव यू दीपिका और उनके पति, रणवीर सिंह ने मार्च में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की , उनके बच्चे के सितंबर में आने की उम्मीद है। 2018 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े को अपने जीवन के इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार है। प्रसिद्ध सेलिब्रिटी ज्योतिषी और फेस रीडर पंडित जगन्नाथ गुरुजी ने एक दिलचस्प भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि दीपिका और रणवीर के घर एक लड़का आने वाला है, जो अपने माता–पिता के लिए राजकुमार होगा। दीपिका अपनी मातृत्व यात्रा और स्टाइल की झलकियां साझा करती रही हैं। हाल ही में, उन्होंने प्रसवपूर्व योग करते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने फिट और स्वस्थ रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सेल्फ–केयर महीने के दौरान अपनी 5 मिनट की सेल्फ–केयर रूटीन साझा करते हुए कहा, मुझे अच्छा वर्कआउट पसंद है। मैं अच्छा दिखने के लिए नहीं बल्कि फिट महसूस करने के लिए वर्कआउट करती हूं। फोटो में, वह विपरीत करणी का अभ्यास करती हुई दिखाई दीं, एक योग मुद्रा जिसमें दीवार के सहारे अपने पैरों को ऊपर करके लेटना शामिल है। यह कायाकल्प करने वाला आसन अपने कई लाभों के लिए जाना जाता है, जिसमें तंत्रिका तंत्र को शांत करना और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना शामिल है, जो आज की तेज–तर्रार और तनावपूर्ण दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम बनने के बाद भी पवन कल्याण रुकी हुई तीन फिल्में पूरी करेंगे

हाल ही में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत का परचम लहराने वाले तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण ने कहा कि वह फिल्मों में काम करना जारी रखेंगे। कल्याण ने आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री का पद भी संभाल लिया है, जिससे उनके फैंस को यह डर सता रहा है कि कहीं वह अब पर्दे से गायब होकर अपना सारा समय राजनीति को न दे दें। लेकिन पवन कल्याण ने आखिरकार फिल्मों को लेकर अपने रुख पर चुप्पी तोड़ी है। अभिनेता ने अपने फैंस को आश्वासन देते हुए कहा है कि वह फिल्में करते रहेंगे। ट्रैक टॉलीवुड के अनुसार, अभिनेता ने कहा कि वह अगले तीन महीनों में फिल्में करना शुरू कर देंगे। वह पहले उन तीन फिल्मों का काम पूरा करेंगे जिन्हें बीच में ही रोक दिया गया था। इन फिल्मों में 'हरि हर वीरा मल्लू', 'ओजी' और 'उस्ताद भगत सिंह' शामिल हैं। बताया जा रहा है कि अभिनेता पहले इन फिल्मों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हालांकि उनके नए प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। निर्माता ए.एम. रत्नम ने भी हाल ही में कहा है कि वह 'हरि हर वीरा मल्लू' को इस दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी हैं।

मिर्जापुर 3 शबनम बनेगी ड्रग कार्टेल का हिस्सा, शेरनवाज जिजीना ने किया खुलासा

सुपरहिट क्राइम–थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का बेसब्री से फैंस को इंतजार है। कुछ ही घंटे बचे हैं और सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो जाएगी। लाखों फैंस की तरह एक्ट्रेस शेरनवाज जिजीना भी बेसब्र हैं। उन्होंने बताया कि इस सीजन में उनका किरदार ड्रग कार्टेल का है और वो ड्रग डील करती दिखेंगी। एक्ट्रेस सीरीज में शबनम के किरदार में हैं, जो अफीम का कारोबार चलाने वाले लाला (अनिल जॉर्ज) की बेटी हैं। शेरनवाज जिजीना ने आईएएनएस के साथ बातचीत में किरदार के बारे में बताया। उन्होंने कहा, शबनम ने कभी किसी के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया, उसने कभी बंदूक नहीं पकड़ी, और वह इस पूरी चीज से दूर है। लेकिन अब अचानक वह ड्रग डील कर रही है और गुड्डू के खिलाफ खड़ी है। यह मजेदार है। मिर्जापुर में अपनी पहचान बनाने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, मिर्जापुर शो पूरी तरह से गद्दी के इर्द–गिर्द घूमता है। शो के पुरुष किरदार गुड्डू पंडित और कालीन भैया, शरद और बाकी सभी हैं, जो इस बात पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं कि गद्दी पर कौन शासन करेगा। हमारे लेखकों और निर्देशकों ने महिलाओं के किरदारों को बहुत खूबसूरती से पेश किया है, क्योंकि महिलाएं सीरीज की जान हैं, वे पुरुषों को गद्दी तक पहुंचने में मदद कर रही हैं। उन्होंने साझा किया कि चाहें वह श्वेता त्रिपाठी शर्मा का गोलू किरदार हो, बीना बनी रसिका हों या माधुरी की भूमिका में ढली ईशा तलवार हों , सभी ने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने आगे कहा, महिलाओं को पुरुष प्रधान शो में आगे बढ़ने का मौका मिला। और वो बड़े निखर कर सामने आईं। इसका पूरा श्रेय हमारे लेखकों को जाता हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है। उन्होंने आगे बताया कि यह सीजन उनके लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा– वह (उनका किरदार) हर सीजन के साथ शो में बड़ी होती गई हैं। इस किरदार की मासूमियत और सरलता को बनाए रखना बेहद जरूरी था। वह शो में एकमात्र ऐसी है जिसे सत्ता या पैसे की लालसा नहीं है। उसे अपने नुकसान का कोई मलाल नहीं है, बल्कि इसके बजाय, वह हर पहलू में दया दिखाती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए आपको बहुत धैर्य की जरूरत होती है और यह मेरे पास मौजूद शानदार टीम के बिना संभव नहीं होता।उन्होंने आगे कहा, उसका (शबनम) ग्राफ इतना बदल रहा है, वह अपने पिता के बिजनेस की जिम्मेदारी संभालती है। वह परिवार का बेटा बन जाती है। गुड्डू ने उसे बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया, वह उसके कारण अपने पति को खो देती है, और उसके पिता उसके कारण जेल जाते हैं, फिर भी उसकी प्राथमिकता गुड्डू है। उसकी प्राथमिकता फिर भी मिर्जापुर की गद्दी नहीं है। तीसरे सीजन में, उसके लिए चीजें बदली हैं। इस नए सीजन को लेकर दूसरे सीजन में शुरू हुई गुड्डू पंडित और शबनम की प्रेम कहानी को लेकर सस्पेंस बना हुआ हैं। मिर्जापुर 3 में उनकी प्रेम कहानी देखने को मिलने वाली है।

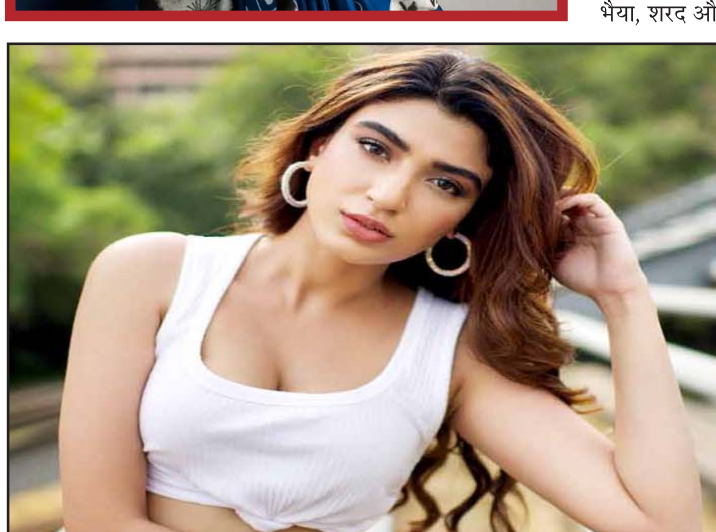

ईशा मालवीय को बिग बॉस 17 को लेकर होता है पछतावा

बिग बॉस 17 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस ईशा मालवीय ने खुलासा किया कि उन्हें कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो करने को लेकर पछतावा होता है। उन्हें इस बात का पछतावा हैं कि वह उन स्वार्थी लोगों के साथ रहीं, जो सिर्फ उनका इस्तेमाल कर रहे थे। ईशा ने कहा, मुझे कई स्वार्थी लोगों के साथ रहना पड़ा, जो मेरा इस्तेमाल कर रहे थे और मुझे उस समय इसका एहसास तक नहीं हुआ। मुझे इन बातों का पछतावा होता है, लेकिन मुझे बिग बॉस में हिस्सा लेने का कोई पछतावा नहीं है। मुझे उन लोगों के साथ दोस्ती या रिश्ते बनाने का पछतावा है, जिन्होंने मेरी रिस्पेक्ट नहीं की और न ही मेरी कीमत समझी। उन्होंने कहा कि वह डांस–बेस्ड रियलिटी शो में हिस्सा लेना पसंद करेंगी। ईशा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं और ज्यादा रियलिटी शो करूंगी, लेकिन अगर यह डांस से जुड़े है, जैसे झलक दिखला जा, तो मैं हिस्सा लेना पसंद करूंगी। मैं 6 साल की उम्र से ही डांस कर रही हूं, तो क्यों नहीं? बता दें कि ईशा मालवीय ने बिग बॉस 17 के घर में अपने एक्स बॉयफ्रेंड अभिषेक कुमार के साथ एंट्री ली थी। शो में अभिषेक और ईशा के बीच में काफी झगड़े देखने को मिले।

ईशा ने अभिषेक पर फिजिकल वायलेंस के आरोप लगाए, जिन्हें अभिषेक ने खारिज किया। ईशा मालवीय और अभिषेक कुमार दोनों को शो उडारियां में देखा गया था। बिग बॉस 17 में ईशा के बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल ने भी एंट्री ली, इसके बाद शो में काफी कुछ ड्रामा देखने को मिला था। बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। ईशा कई म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। ज्योति नूरन के गाने पांव की जुत्ती सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक मुईनुद्दीन अंसारी द्वारा अंसारी आफ सेट दो मिनारा मस्जिद के सामने, हाता, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं सी–30 कैबिनेटगंज , बन्दरियाबाग, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पादक मुईनुद्दीन अंसारी मो0. न0. 08853863048, theswordofindia@gmail.com, समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा

पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा मोलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने पौधारोपण किया

पूर्व ब्लाक प्रमुख यासिर अराफात के निवास स्थान पर अयोजित हुई मैंगो पार्टी

मसौली संवाददाता रिजवान अहमद

मसौली बाराबंकी। पूर्व ब्लाक प्रमुख यासिर आराफ्त किदवाई उर्फ अरफूमियां की भयारा स्थित कोठी मे रविवार को आयोजित मैंगो पार्टी मे सर्वदलीय नेताओ एव सामाजिक कार्यकर्त्ताओ ने विभिन्न प्रजातियों के आम का स्वाद लिया। मैंगो पार्टी मे याकुती, बेनजीर, हुस्नआरा, चौसा, बंबइया, लखनौवा, आम्रपाली समेत कई किस्मों के आमों के जायकों का लोगो ने लुत्फ लिया तथा ऐशबाग ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फ्रिंगी महली ने पंचायत भवन परिसर मे पौधारोपण कर वातावरण को हरा भरा बनाने का संदेश दिया। पूर्व ब्लाक प्रमुख यासिर अराफ्त किदवाई की कोठी मे रविवार को

आयोजित मैंगो पार्टी मे पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द सिंह गोप , पूर्व कैविनट मंत्री राकेश वर्मा, सांसद तनुज पुनिया, पूर्व सांसद पी एल पुनिया, विधायक सुरेश यादव, गौरव रावत, पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहसिन किदवाई, अलीम किदवाई, मो0 अहमद शहंशाह , उमेर सिद्दीकी चौयरमैन अदनान चौधरी, रेहान कामिल, सरताज चौधरी सहित भारी संख्या मे लोगो ने आम का जयका लिया।

(धर्मगुरु मौलाना खालिद रशीद फ्रिंगी महली ने किया वृक्षारोपण)

धर्मगुरु ऐशबाग ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फ्रिंगीमहली ने पंचायत भवन भयारा के परिसर मे पौधारोपण करते हुए वातावरण को स्वच्छ एव हरा भरा बनाने मे सबके सहयोग की अपील की। इस मौके पर पूर्व कैविनट मंत्री राकेश वर्मा, सांसद तनुज पुनिया, विधायक सुरेश यादव, गौरव रावत पूर्व प्रमुख यासिर अराफ्त किदवई, प्रदेश सचिव सरताज चौधरी ,प्रदेश सचिव डॉक्टर विकास यादव,पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह वर्मा ,प्रदेश सचिव हाफ्जि भारती,जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान संजय, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उबेद शानू, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रधान शरीफकुरैशी, कामिल अली, कय्यूम प्रधान, वैश्य महासभा के अध्यक्ष दिनेश वैश्य , अप प्रभागीय वन अधिकारी वरुण प्रताप सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी अवनीश द्विवेदी, वन दरोगा दीपक कुमारसमेत आदि लोग उपस्थित रहे।

समाजसेवी मोनू भास्कर ने रजनापुर ग्राम में चलाया वृहद् वृक्षारोपण अभियान में 2001 पौधारोपण करने का लिया संकल्प

मसौली संवाददाता रिजवान अहमद

मसौली बाराबंकी। लोधेश्वर महादेवा निवासी समाज सेवी कुँवर मोनू भास्कर पर्यावरण के प्रति लोगो को जागरूक करते है व लोगो को वृक्ष वितरित करते है व लोगो को वृक्ष वितरित करते है हर वर्ष मोनू भास्कर 2001वृक्ष अपने जन्मदिवस से पहले रोपित करते है इस वर्ष ग्राम पंचायत लोधौरा के ग्राम रजनापुर से वृक्षारोपण का शुभआरंभ हुवा सभी ग्रामवसियो को ने एक वृक्ष माँ के नाम रोपित रोपित किया श्री भास्कर ने बताया की इस वर्ष एक अनोखा पल रहा ग्राम पंचायत में महिलाओं ने काफी संख्या में वृक्षों को अपने घरों में रोपित किया और श्री भास्कर को सभी मातृ शक्ति व ग्राम के प्रबुद्ध जनों ने एक अनोखी पहल पर खूब प्रशंसा की श्री भास्कर ने बताया की मेरा जब तक जीवन है मैं इस धरा को हरा भरा करने में समर्पित रहूँगा

इस अवसर पर राजेश यादव शिव शरण प्रजापति जगजीवन विशाल गौतम राकेश अवस्थी आकाश अवस्थी अवस्थी कुर्बान नजरू आदि सैकडो की संख्या में उपस्थित रहे

पिकअप की टक्कर से बालक घायल रिफर

सौरिख कन्नौज। तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बालक गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों व परिजनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से गंभीर हालत में तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफ्र कर दिया गया। क्षेत्र के बहादुरपुर गांव निवासी अमोद कुमार का 13 वर्षीय पुत्र अनुज रविवार की सुबह समय लगभग 11रू00 बजे खेतों से काम करने के बाद वापस घर आ रहा था तभी नादेमऊ की तरफसे आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन व पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफ्र कर दिया गया पुलिस ने पिकअप को हिरासत में लेकर थाने में खड़ा कराया।

डॉक्टर का पता पूछने पर स्वास्थ्य कर्मचारियों ने नशे में मरीज को जड़ा थप्पड़

गुगरापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुगरापुर में मरीज को इलाज करने के लिए अब मजबूत होकर जाना पड़ेगा क्योंकि यहां पर तैनात लैब टेक्नीशियन सुधीर कुमार की दारू पीकर खुले हम दबंगई चलती है रविवार को दोपहर करीब 1रू00 गुगरापुर गांव निवासी सौरभ सिंह वैस उर्फवीटू पुत्र वीरपाल सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दवाई लेने गया तो अस्पताल में कोई स्टाफदिखाई ना देने पर वह गेट के बाहर रखे खोखे के पीछे बैठकर दारू पी रहे हैं अस्पताल कर्मचारी सुधीर कुमार के पास गया और डॉक्टर के बारे में पूछा तो सुधीर इतने में आग बबूला हो गया और मरीज के थप्पड़ जड़ दिया और कहा तेरी हिम्मत कैसे हो गई मेरी पार्टी खराब कर दी आकर इस बात की भनक आसपास निकल रहे राहगीरो को लगी तो उन्होंने नशेबाज कर्मचारी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वही पीड़ित ने मामले की शिकायत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आनंद वर्मा से फोन पर की है खबर लिखे जाने स्वास्थ्य कर्मचारी के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई।

श्री जगन्नाथ जी भगवान की आरती कर निकली शोभायात्रा

नितिन सिंह, कानपुर। भगवान श्री जगन्नाथ जी की शोभा का कानपुर में एक बड़ा महत्व हैं। शोभा यात्रा लगभग तीन सौ वर्षों वर्षों से लगातार निकल रही हैं। जिसमें लाखों लोग जगन्नाथ भगवान के दर्शन करते हैं। शोभा यात्रा के दौरान कई दर्जनों घुड़सवार की झांकियां अलग-अलग मंडलों के भक्त मौजूद रहते हैं। जिसमें भारी संख्या में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल मौजूद रहा। शोभा यात्रा जनरलगंज से चालू होकर हुलागंज भूसा टोली बर्तन बाजार नयागंज काहू कोठी से होते हुए शिवाले की ओर जाती हैं।

-महंत कृष्णदास ने कहा की कानपुर के लोग बड़े हर्ष उल्लास के साथ दो दिन भगवान जगन्नाथ जी की यात्रा में उपस्थित होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। मान्यता यह है कि इन दो दिनों भगवान से जो भी भक्त मनोकामना करता है उसकी वह मनोकामना पूरी होती हैं।

सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद रखनें के लिए प्रतिबद्ध मसौली थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह ने निकाला फ्लैग मार्च

मसौली बाराबंकी। प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पैदल गस्त करकें दुकानदारों एवं आवागमन करने वालो से सीधा संवाद कर सुरक्षा का अहसास कराया। मसौली प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने पुलिस बल के साथ रविवार की शाम को मसौली चौराहा और कस्बे में पैदल गस्त करकें दुकानदारों को अतिक्रमण पर अंकुश लगाने की हिदायत दी।तो वही ढाबों के संचालकों से संवाद करके शराब आदि नशे के सेवन वालों को न रुकने दे। इसके अलावा आवागमन करने वालो से भी संवाद करके सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की व्यवधान उत्पन्न होने वाली समस्या के बारे में जानकारी ली। मौके पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, उपनिरीक्षक राकेश कुमार अनिल कुमार सिंह अभय गुप्ता अमन सोनी पप्पू दीवान आदि लोग गस्त मे शामिल रहे।

मैलानी से पीलीभीत के बीच जल्द चलेंगी तीन नई पैसेंजर ट्रेन, तराई के लोगों का सफर होगा आसान

संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत तक सफर करने वालों के लिए राहत भरी खबर है। रेल मंत्रालय ने मैलानी से पीलीभीत तक तीन नई पैसेंजर ट्रेनों के संचालन की स्वीकृति दे दी है। साथ ही लखनऊ-शाहगढ़ पैसेंजर का पीलीभीत तक विस्तार कर समय सारिणी भी जारी कर दी है। जल्द ही इन ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। आमान परिवर्तन के लिए मैलानी-पीलीभीत के बीच 30 मई 2018 को कार्यदायी संस्था आरवीएनएल ने मेगा ब्लॉक लिया था। आमान परिवर्तन और विद्युतीकरण होने के बाद 30-31 मार्च को शाहगढ़-पीलीभीत खंड का संरक्षा निरीक्षण और स्पीड ट्रायल हुआ था। तभी से लोग पीलीभीत, बरेली, दिल्ली, पंजाब आदि के लिए ट्रेनों की मांग कर

रहे थे। फ्लिहाल, रेलवे ने मैलानी से पीलीभीत के बीच तीन पैसेंजर ट्रेनों के संचालन और लखनऊ-शाहगढ़ पैसेंजर का विस्तार पीलीभीत तक करने की स्वीकृति दे दी है रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा की ओर से इस आशय का चार जुलाई को निर्गत पत्र एनई रेलवे के जीएम ऑपरेटिंग गोरखपुर, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है। इसमें जल्द इन ट्रेनों के संचालन की बात लिखी है। इन ट्रेनों के चलने से लंबे समय बाद क्षेत्रवासियों को मैलानी से सीधे पीलीभीत तक ट्रेन के सफ्र की सुविधा मिल जाएगी। पीलीभीत तक जाएगी शाहगढ़ पैसेंजर- शाहगढ़ तक चलने वाली पैसेंजर का संचालन भी पीलीभीत तक करने की स्वीकृति रेल मंत्रालय से मिल गई है। लखनऊ-पीलीभीत पैसेंजर लखनऊ से सुबह 6रू20 बजे चलकर 12रू15 बजे मैलानी और दोपहर तीन बजे पीलीभीत पहुंचेगी। पीलीभीत-डालीगंज पैसेंजर पीलीभीत से शाम 5रू15 बजे छूटकर रात 7रू35 बजे मैलानी और रात 01रू10 बजे डालीगंज पहुंचेगी। इस ट्रेन की समय सारिणी इस प्रकार है। सभी हॉल्ट पर रुकेंगी पैसेंजर ट्रेनें- मैलानी-पीलीभीत के बीच भविष्य में संचालित होने वाली तीनों पैसेंजर ट्रेनें, लखनऊ-पीलीभीत और पीलीभीत-डालीगंज पैसेंजर ट्रेनें रास्ते में पड़ने वाले स्टेशनों के अलावा सभी हॉल्ट स्टेशनों अकेला हंसपुर, सेहरामऊ, कुरैय्या, दूधिया खुर्द, उदयपुर खुर्द, प्रसादपुर, संदेई और दियूरी पर भी रुकेंगीं। अभी विस्तृत समय सारिणी जारी नहीं हुई है। लखनऊ से शाहगढ़ तक चलने वाली पैसेंजर पूर्व समय के मुताबिक चलेगी, जबकि शाहगढ़ से चलकर डालीगंज जाने वाली पैसेंजर का समय बदल जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय टप्पेबाज को डीसीपी पूर्वी की टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेजा, हरबंश मोहाल पुलिस की रही अहम भूमिका

सूतरखाना चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई की डीसीपी ने हाथ थपथपाकर सराहना की

नितिन सिंह

कानपुर। डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार ने हरबंश मोहाल थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया बीते दिनों हरबंश मोहाल क्षेत्र मे एक फौजी के साथ टप्पेबाजी कर अभियुक्त सुनील दुबे उर्फलल्लू फरार हो गया था। जिसके पास पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने टीम गठित कर मामले मे कार्यवाही शुरू कर दी थी। अभियुक्त सुनील दुबे उर्फ लल्लू निवासी मिर्जापुर की कुंडली खंगाली गई तो इस पर 25 अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, और यह अंतर्राष्ट्रीय अपराधी भी है। मौके पर अभियुक्त के पास से 315 बोर का तमंचा, दो जिन्दा कारतूस, छह आधार कार्ड, मोबाइल, चार एटीएम, एक मोटर साईकल, और चार हजार नब्बे रूपये बरामद हुए है। खुलासे को लेकर हरबंश मोहाल थाने के सूतरखाना चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई की डीसीपी ने हाथ थपथपाकर सराहना की गिरफ्तारी करने वाली टीम में हरबंश मोहाल प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह, उ. नि. आदित्य बाजपेई, प्रवीण कुमार, सागर कुमार, सर्विलांस सेल्फ प्रभारी कुलदीप, हे. कां. कौशल कुमार, कां. धर्मेंद्र कुमार, हरिओम यादव मौजूद रहें। जिनका डीसीपी पूर्वी ने पच्चीस हजार रुपए देने की घोषणा की।

अश्लील गाना बजाने वाले ऑटो टेम्पो चालकों और नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

संवाददाता

कन्नौज। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशानुसार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ प्रियंका वाजपेई के नेतृत्व में यातायात प्रभारी आफाक खां द्वारा रेलवे स्टेशन मोड़ से लेकर मकरंद नगर तिराहे तक विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें नाबालिग वाहन चालकों को रोककर उनके अभिभावकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। वहीं ऑटो, टेंपो में डेक(साउण्ड)लगाकर अश्लील गाना बजाने वाले एवं ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

जिसमें कई ऑटो से डेक(साउण्ड) निकलवाए गए। और चालान भी काटे गए। एक ऑटो में आपत्तिजनक शब्दों को लगाया गया था। जिसको यातायात प्रभारी द्वारा मौके पर ही निकलवाया गया। दो पहिया वाहनों में तीन सवारी चलने वाले वाहन चालकों के भी चालान किए गए।

यातायात प्रभारी द्वारा बताया गया कि ऑटोध् टेंपो में डेक (साउण्ड) लगवाना पूर्ण रूप से अवैध है। और इसका जुर्माना दस हजार रुपए है।जिन ऑटोध् टेंपो को डेक लगाकर अश्लील गाना बजाते हुए पाया जाएगा। या ऑटो टेंपो में डेक लगा हुआ पाया जाएगा। उनको भारी जुर्माना किया जाएगा। इसलिए यातायात पुलिस अपील करती है कि ऑटो, टेंपो चालक सवारी गाड़ियों में डेक(साउण्ड) न लगवाएं। यदि किसी ऑटो/टेंपो में डेक आदि साउंड सिस्टम लगा है। तो उसे तत्काल निकलवा दें। प्रभारी द्वारा बताया गया कि रोडवेज बस स्टैंड के बाहर जीटी रोड में मुख्य सड़क पर एक रोडवेज बस चालक द्वारा बस को खड़ा करके सवारियां भरी जा रही थीं। यातायात पुलिस कर्मियों के मना करने पर भी चालक परिचालक द्वारा बस को नहीं हटाया गया। जिससे जाम की समस्या उत्पन्न होने लगी। तभी उस रोडवेज बस का भी चालान किया गया। उक्त अभियान के दौरान 35 चालान किए गए।

रोटरी क्लब बाराबंकी का शपथग्रहण समारोह आयोजित हुआ

मसौली संवाददाता रिजवान अहमद

मसौली बाराबंकी। समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान में अग्रणी रोटरी क्लब ऑफबाराबंकी की पूरे जिले में अपनी एक अलग ही विशिष्ट पहचान है। वहीं सभी सदस्यगण सेवा कार्य में समर्पित भी रहते हैं। क्लब के सदस्यगण हर वर्ष कार्यकाल पूरे होने के बाद नयी कार्यकारिणी का गठन करते हैं। रविवार की नई कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह नेशनल हाइवे पर स्थित एक होटल मे सम्पन्न हुआ। रविवार को आयोजित शपथग्रहण समारोह मे पीडीजी शैलेन्द्र जैन ने नवनियुक्त रोटरी क्लब के अध्यक्ष महावीर प्रसाद, सचिव डा0 विमल बैशवार सहित नवनियुक्त कार्यकारिणी को पद एव गोपनीयता की शपथ दिलाई गयी। निवर्तमान रोटरी क्लब अध्यक्ष महबूब उर रहमान किदवाई

ने कार्यक्रम मे उपस्थित लोगो का आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल मे कराये गये सामाजिक कार्यों का वर्णन किया ।निवर्तमान सचिव गिरीश अरोड़ा ने अपनी सीक्रेटरी रिपोर्ट मे रोटरी क्लब द्वारा गत वर्ष किये गये समाजपयोगी कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि विगत दिनों वनारस मे हुए मंडलीय पुरुस्कार समारोह मे रोटरी क्लब बाराबंकी को 22 आवर्ड मिले ।

दीप प्रज्वलन से शुभारंभ- शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि डीएफ्ओ आकाश दीप बधावन विशिष्ट अतिथि पूर्व मंडलाअध्यक्ष शैलेन्द्रजैन ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगान के साथ शुभारंभ किया गया। आशीष पाठक के संचालन मे संस्थापक सदस्य अरविन्द गुटगुटिया, डा0 रवि आहूजा, डा0 आभा वर्मा, डा0 राजेश मोहन, डा0 सुधीर वर्मा, राजेश आरोड़ बब्बू, सम्पन निगम, अरविन्द वर्मा, सरदार भूपेंद्र सिंह, एचपी गुप्ता, डा0 रोहित अग्रवाल, सरदार हरिपाल सिंह, डा0 प्रवीण कुमार, मनोज टंडन, रविंद्र सिंह, जागेश अग्रवाल, सुनील वर्मा, डा0 एन के गुप्ता, जयकुमार जैन, डा0 संदीप बुधवार, ममता चंद्रा, शिखा श्रीवास्तव, रजनी वर्मा, कुसुम जैन, चरन जीत कौर, संगीता गुप्ता, राकेश तिवारी, डा0 आनंद पाण्डेय, सहित अन्य सदस्यों ने गुलदस्ते भेंटकर आत्मीय स्वागत किया।

बालाजी वेलफेयर सोसायटी ने किया पौधारोपण

संवाददाता

इन्दौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक पौधा माँ के नाम अभियान के तहत सेवा समर्पण बालाजी वेलफेयर सोसायटी ने शहर के एमवाय अस्पताल में 350 पौधे लगाएं। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह रघुवंशी का जन्मदिन भी मनाया गया। पौधरोपण पश्चात समिति सदस्यों ने एम वाय अस्पताल में मरीजों एवं परिजनों को भोजन भी करवाया। पौधारोपण में राजेश विजयवर्गीय, राहुल सिंह जादौन, महेंद्र यादव, रेखा विजयवर्गीय, पूजा खंडेलवाल, तेजेंदर कौर, हरीश विजयवर्गीय, पूनम बड़ोनिया, पवन खंडेलवाल, जय सिंह रघुवंशी, अरविंद बड़ोदिया,दीपक बियानी, शिल्पा बियानी, दीदार सिंह सिद्धू, वैभव सोलंकी, अंजली सोलंकी व गोलू कश्यप आदि मौजूद रहें।

मोहर्रम, श्रावण मास, कावड़ यात्रा और अन्य त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए डीएम एवं एसपी की अध्यक्षता में लक्ष्मीबाई सभागार में हुई बैठक

समस्त धर्म गुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक की गई आयोजित

संवाददाता

उरई (जालौन)। मोहर्रम, श्रावण मास, कावड़ यात्रा और अन्य त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मी बाई सभागार में जनपद के समस्त धर्म गुरुओं और संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी धर्म गुरुओं और संभ्रांत लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपसी प्रेम सद्भाव और सौहार्द के साथ त्योहार को मनाये, साथ ही नगर पालिका प्रशासन तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि वह शहरी व ग्रामीण इलाकों में साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखे, जिससे मोहर्रम और कावड़ यात्रा के दौरान किसी को भी असुविधा न

हो। जनपद के प्रत्येक नागरिकों की जिम्मेदारी है कि इन त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्द के साथ मनाएं, साथ ही यह भी ध्यान रखें कि किसी की भावना को ठेस न पहुंचे, उन्होंने कहा कि खास तौर पर यदि कोई भी अराजक तत्व शांति व्यवस्था में खलल डालता है, तो उसके बारे में तत्काल पुलिस तथा प्रशासन को अवगत कराए, जिससे उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी भ्रामक खबरों को प्रसारित करने से बचें और किसी भी प्रकार की सूचना आदि उन्हें प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दें, ताकि उस सूचना की जांच करते हुए प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत आपूर्ति बाधित न होने पाए, इसके अलावा नगर पालिका, नगर पंचायत तथा जिला पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि आगामी त्यौहार को ध्यान में रखते हुए साफसफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, इसके अलावा उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर ईरज राजा ने आने वाले त्योहारों को दृष्टिगत अधीनस्थों से सुरक्षा के बारे में जानकारी ली, साथ ही कहा कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाए, त्योहार पर कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार की भ्रामक सूचना फैलता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, इसके अलावा उन्होंने समस्त क्षेत्राधिकारी थाना व चौकी प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में संभ्रांत नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक कर सदस्यों से समन्वय स्थापित करते हुए भाईचारा सांप्रदायिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्थाएं रखना सुनिश्चित करें, इसके अलावा सभी धर्म गुरुओं से अपील करते हुए कहा कि कहा कि आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराए, यदि उन्हें कोई भी व्यक्ति जो सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करता है, उसके बारे में सूचना मिले, तत्काल पुलिस प्रशासन को जानकारी दें, जिससे उसके खिलाफसख्त से सख्त कार्रवाई की जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, अपर जिलाधिकारी न्यायिक जुबेर बेग, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, उरई उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल, उप जिलाधिकारी कोंच ज्योति सिंह, क्षेत्राधिकारी उरई गिरजा शंकर त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी कालपी डॉक्टर देवेंद्र, क्षेत्राधिकारी उमेश कुमार पांडेय सहित समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

सहकारिता का मुख्य उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण दृप्रवीण

संवाददाता

उरई (जालौन)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस की पूर्व संध्या पर बृजवासी होटल में मिनौरा उरई सहकारी संघ द्वारा सहकारी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सहकारी संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के निदेशक डॉ. प्रवीण सिंह जादौन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि सहकारिता समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने और समान अवसर प्रदान करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। सहकारी आंदोलन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्तिकरण है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सहकारी संस्थाएं और भी मजबूत और प्रभावी बनें ताकि हमारे किसान, मजदूर और समाज के अन्य कमजोर वर्गों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। सहकारिता के माध्यम से हम न केवल आर्थिक प्रगति कर सकते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक भावना को भी बढ़ावा दे सकते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि सहकारी आंदोलन का असली सार मानवता की सेवा करना है। अगर हम इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ते हैं, तो हम निश्चय ही एक मजबूत और सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। सहकारी संस्थाओं को नई तकनीकों और आधुनिक प्रथाओं को अपनाकर और भी अधिक प्रभावी बनाना होगा ताकि वे बदलते समय के साथ तालमेल बिठा सकें और समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचा सकें। जिला सहकारी बैंक के पूर्व राकेश तिवारी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा, सहकारी संस्थाएं न केवल आर्थिक लाभ पहुंचाती हैं, बल्कि समाज को एकजुट करने और सामाजिक न्याय की भावना को भी प्रबल करती हैं। हमें सहकारिता के मूल्यों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि हम एक मजबूत और सशक्त समाज का निर्माण कर सकें। विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत कोटरा के अध्यक्ष सिया शरण व्यास ने अपने वक्तव्य में कहा, सहकारिता के माध्यम से हम अपने समाज को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना सकते हैं। सहकारी आंदोलन के माध्यम से हमें ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास के अवसर प्रदान करने होंगे।जिला सहकारी बैंक के निदेशक युद्धवीर सिंह कंथारिया ने सहकारिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, सहकारिता एक ऐसा माध्यम है जो हमारे किसानों और मजदूरों को आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है। हमें सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास को और अधिक सशक्त करना होगा। आलोक कुमार दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा, सहकारी संस्थाएं न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि वे समाज में सद्भावना और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देती हैं। हमें सहकारिता के इस आदर्श को और भी अधिक प्रबल बनाना चाहिए ताकि हर व्यक्ति को इसका लाभ मिल सके।जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राजावत ने सहकारिता की महत्ता पर जोर देते हुए कहा सहकारिता एक ऐसा मंच है जो सभी को समान अवसर प्रदान करता है।

CMYK